हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, सोमवार 20 अप्रैल 2026

12 समाज की सहभागिता और समर्पण से साकार हुआ...

12 'स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास का अजातशत्रु'...

खबर संक्षेप

अफीम के साथ एक युवक गिरफ्तार

नारनौंद। पुलिस टीम ने एक युवक को नशीला पदार्थ अफीम सहित गिरफ्तार किया है। उप निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त व जांच के दौरान बास एरिया में जींद-भिवानी सड़क मार्ग पर भकलाना मोड़ मौजूद थी। इसी दौरान सूचना मिली कि बास बादशाहपुर गांव निवासी हंसराज जींद रोड के पास मोर माइनर पर पर बैठा हुआ है तथा उसके पास नशीला पदार्थ है। सूचना के बाद पुलिस टीम वहां पहुंची तो एक युवक भैंसों के डेरे के पीछे बने ईंटों के चबूतरे पर बैठा दिखाई दिया। उसने भागने का प्रयास किया लेकिन उसे काबू कर लिया गया। तलाशी में उसके कब्जे से 137.49 ग्राम नशीला पदार्थ अफीम बरामद हुआ। पुलिस ने नशीला पदार्थ कब्जा में लेकर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया।

'रील से रियल स्टार' लॉन्च हर टैलेंट को मिलेगा मंच

हिसार। बिरला स्टूडियोज़ ने वीआई के साथ मिलकर 'रील से रियल स्टार' नाम से एक नया मोबाइल-फर्स्ट टैलेंट प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। इसका मकसद एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एंट्री को आसान बनाना है, ताकि हर कोई अपने टैलेंट को दिखा सके। यह प्लेटफॉर्म खास तौर पर उन युवाओं के लिए तैयार किया गया है, जिनके पास स्मार्टफोन तो है, लेकिन इंडस्ट्री तक पहुंच नहीं। अब कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल के जरिए सीधे ऑडिशन तक पहुंच सकता है। वोडाफोन आइडिया के सीईओ अभिजीत किशोर ने कहा कि कनेक्टिविटी ही असली ताकत है, और यह प्लेटफॉर्म देशभर के टैलेंट को एक मंच पर लाने का काम करेगा। उन्होंने बताया कि 200 मिलियन से ज्यादा यूजर्स के नेटवर्क के साथ यह पहल छोटे शहरों और गांवों के युवाओं के लिए बड़े मौके लेकर आएगी।

चेक बाउंस मामले में उद्घोषित आरोपी काबू

हांसी। अनाज मंडी पुलिस चौकी ने चेक बाउंस मामले में उद्घोषित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान इंदिरा कालोनी निवासी अंशुल के रूप में हुई है। एएसआई अजय कुमार ने बताया कि इंदिरा कालोनी निवासी अंशुल को चैक बाउंस मामले में अदालत में पेशी पर लगातार गैरहाजिर चल रहा था। आरोपी की लगातार अनुपस्थिति के चलते आशुतोष, एसडीजेएम आशुतोष की अदालत द्वारा 28 नवंबर 2025 को उसे उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया था। आरोपी अंशुल को काबू कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

सर्वसम्मति से देवीलाल प्रधान व राजेश बने सचिव

हिसार। सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित हरियाणा राज्य चतुर्थ श्रेणी सरकारी कर्मचारी यूनियन का अग्रोहा ब्लॉक का सम्मेलन रविवार को बीओ कार्यालय परिसर में जिला प्रधान रामफल शिकारपुर की अध्यक्षता में हुआ। संचालन दीपक खत्री ने किया। जिला प्रधान रामफल शिकारपुर ने बताया कि हरियाणा सरकार कर्मचारियों की मांगों पर गंभीर नहीं है। उन्होंने बताया कि 26 अप्रैल को जिला प्रतिनिधि सम्मेलन में आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के माध्यम से हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत कार्यरत कर्मचारियों को नियमित करने, पुरानी पेंशन बहाल करने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, न्यूनतम वेतन 30 हजार रुपये लागू करने समेत अनेक मांगों को उठाया जाएगा। सम्मेलन में ब्लॉक की नई कमेटी का गठन किया। इसमें सर्वसम्मति से देवीलाल को प्रधान, खजानी देवी वरिष्ठ उपप्रधान, राजेश सचिव, गीता देवी उपप्रधान व अजीत सिंह कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस मौके पर रमेश कुमार, कृष्ण कुमार , धर्मवीर, सुदेश व भतेरी मौजूद थे।

उकलाना मंडी की हकीकतः कागजों में नियम, धरातल पर अव्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उकलाना

गेहूं खरीद को लेकर सरकार ने भले ही स्पष्ट नियम बनाए हों, लेकिन मंडी में इनका पालन अधूरा नजर आ रहा है। व्यवस्थाओं की कमी के चलते किसानों की फसल खुले में पड़ी है और बारिश से नुकसान का खतरा बना हुआ है। नियमों के अनुसार गेट पास, अलग-अलग ढेरियां, झराई-सफाई, जांच, भराई और तिरपाल से ढकने जैसी प्रक्रियाएं जरूरी हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इनमें कई खामियां दिखाई दे रही हैं।मंडी में 5310 किसानों के 10,254 गेट पास के जरिए 6,82,435 क्विंटल गेहूं पहुंचा। इनमें से 3,79,181 क्विंटल की खरीद हो चुकी है, जबकि 3,03,254 क्विंटल गेहूं अभी भी लंबित है। केवल 89,039 क्विंटल गेहूं ही भंडारण के लिए उठाया गया है। अव्यवस्थित ढेरियां, सफाई की कमी और धीमी उठान प्रक्रिया के कारण मंडी में हालात बिगड़ते जा रहे हैं, जिससे किसान परेशान हैं।

कुछ भी नियमानुसार नहीं

नियमों के अनुसार प्रत्येक किसान की ढेरी अलग-अलग लगानी चाहिए, लेकिन 5310 किसानों के बावजूद मंडी में 500 ढेरियां भी अलग-अलग नहीं दिखाई देतीं। एकमुश्त बड़े-बड़े ढेरों में गेहूं एकत्रित किया जा रहा है। झराई और सफाई का कार्य भी कहीं दिखाई नहीं दे रहा है और न ही खरीद एजेंसियां इस ओर गंभीरता दिखा रही हैं। मराई के बाद कट्टों को क्रेट पर रखने का प्रावधान है, लेकिन मंडी में कहीं भी क्रेट नजर नहीं आ रहे। हाल ही में हुई बारिश के दौरान गेहूं खुले में भीगता रहा, जिससे किसानों को नुकसान होने की आशंका बनी रही। ऐसी कोई व्यवस्था नहीं दिखाई दी जो विभागीय मानकों के अनुरूप हो।

अव्यवस्थित ढेरियां, सफाई की कमी व धीमे उठान से बिगड़े हालात

एक समय में आ जाता है अधिक माल, आधुनिक भंडारण व्यवस्था अपनानी होगी

वेयरहाउस इंचार्ज सतीश माथुर ने बताया कि एक ही समय में अत्यधिक मात्रा में माल आ जाता है। अब मशीनी युग आ चुका है, इसलिए बड़े-बड़े ढेर लगते हैं और झराई-सफाई में बाद में दिक्कत आती है। उन्होंने कहा कि तिरपाल और क्रेट की व्यवस्था मार्केट कमेटी की जिम्मेदारी है, क्योंकि लाइसेंस भी वही जारी करती है। उनके अनुसार मशीनी युग के अनुसार सरकार को साइलोज (साइलेंज) जैसी आधुनिक भंडारण व्यवस्था अपनानी होगी, तभी समस्या का स्थायी समाधान हो पाएगा।

सुनवाई नहीं हो रही

हफेड के खरीद इंचार्ज कुलदीप बिसला ने बताया कि उनकी ओर से 13 हजार 876.60 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है, जिसमें 5312 .30 मीट्रिक टन की लिफ्टिंग हो चुकी है। झराई के लिए कई बार कहा जा चुका है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। जिस ढेरी में अधिक कचरा आता है, उसकी झराई आढ़ती द्वारा करवाई जाती है।

2.57 लाख कट्टे खरीदे

डीएफसी के खरीद इंचार्ज नफे सिंह ने बताया कि अब तक 2 लाख 57 हजार कट्टे खरीदे जा चुके हैं और लगभग सवा लाख कट्टे भंडारण के लिए भेजे जा चुके हैं। सफाई को लेकर उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर कार्य हो रहा है।

बढ़ जाता है दबाव

मार्केट कमेटी सचिव सुमन कासनिया ने माना कि नॉर्म्स तो यही है, लेकिन उनका पूर्ण रूप से पालन नहीं हो रहा। सीजन सवा महीने का होता है, लेकिन 10 से 15 दिन में ही अधिकांश गेहूं मंडी में आ जाती है, जिससे व्यवस्थाओं पर दबाव बढ़ जाता है। गेहूं उठान के लिए ठेकेदार ने 40 वाहन एसोसिएशन को दिए हैं, जिन्हें आढ़तियों में उनकी बारी अनुसार बांटा गया है। हालांकि सनियाना क्षेत्र के दौलतपुर सेंटर पर अभी भी खरीद कार्य लंबित है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब नियम स्पष्ट हैं तो उनकी पालना सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी है व प्रशासन इसमें क्या करेगा।

पूर्व डिप्टी सीएम और पुलिस के बीच विवादः दोनों पक्षों ने दी शिकायत, डीएसपी बोले

बिना प्रावधान निजी गाड़ी एस्कॉर्ट में लगा दुष्यंत ने तोड़ा वाई प्लस सुरक्षा का नियम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हाल ही में हिसार में पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला व पुलिस के बीच हुई तकरार पर रार बढ़ती जा रही है। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने जहां कार्रवाई न होने की हालत में कड़े कदम उठाने की बात कह रखी है वहीं पुलिस का कहना है कि पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला वाई प्सल नियमों की अवहेलना कर रहे हैं। पुलिस उप अधीक्षक कमलजीत ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के पास वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा है, उसमें पायलट और एस्कॉर्ट का कोई प्रावधान नहीं है। ऐसे में दुष्यंत चौटाला पायलट गाड़ी के रूप में जिस प्राइवेट गाड़ी का प्रयोग कर रहे थे, वह वाई प्लस सुरक्षा की अवहेलना है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने उन्हें शिकायत दे रखी है।

डीएसपी ने बताया कि गत 16 अप्रैल को जजपा नेता दिग्विजय चौटाला अपने समर्थकों के साथ कुलपति कार्यालय में प्रदर्शन करने के लिए पहुंचे। वहां मौजूद पुलिस बल और विश्वविद्यालय प्रशासन ने समझाया लेकिन उन्होंने किसी की भी नहीं मानी और उनका प्रदर्शन उग्र हो गया। उन्होंने कुलपति के कार्यालय के गेट को तोड़ने का प्रयास किया और वहां मौजूद पुलिस बल और जीजेयू प्रशासन के साथ अभद्रता की। शांतिपूर्वक रूप से प्रदर्शन किया जा सकता है लेकिन अगर उग्र रूप से प्रदर्शन करते हैं तो कानून अपना काम करेगा।

पुलिस उप अधीक्षक कमलजीत।

सीआईए इंचार्ज ने किया समझाने का प्रयास

इस पर सीआईए इंचार्ज ने अपनी गाड़ी को सामने लगाकर पायलट गाड़ी के चालक को हिदायत दी कि आप बहुत गलत ड्राइविंग कर रहे हो जिससे हमारी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त होते-होते बची है। इसलिए आप ढंग से गाड़ी चलाओ। यह बात कहकर सीआईए इंचार्ज अपनी गाड़ी में बैठ गया, इस पर दुष्यंत चौटाला ने उन्हें रोकने का प्रयास किया और दिग्विजय ने वहां मौजूद पुलिस कर्मचारी के साथ काफी अभद्रता की और उसे धक्का भी दिया।

प्रोटेक्टर ने दी शिकायत

इस घटना के बाद गुजवि प्रोटेक्टर अनिल कुमार ने शहर थाना में शिकायत दी। उस शिकायत के आधार पर शहर थाना में केस दर्ज किया गया। उसमें दिग्विजय चौटाला समेत आठ को आरोपी बनाया और उक्त आरोप में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। डीएसपी कमलजीत के अनुसार 17 अप्रैल को हमें सूचना मिली कि दुष्यंत चौटाला और दिग्विजय चौटाला अपने समर्थकों के साथ सामूहिक गिरफ्तारी देने सिटी थाना में पहुंच रहे हैं। इसके बाद उन्होंने अपने समर्थकों के साथ 10-15 मिनट प्रदर्शन करके यह कहकर चल पड़े कि हम अपनी गिरफ्तारी एसपी ऑफिस में एसपी साहब के सामने देंगे।

गलत चल रही थी पायलट गाड़ी

यह बात सुनकर वहां तैनात सीआईए मिल गेट की टीम लघु सचिवालय के लिए चल पड़ी इस दौरान दुष्यंत चौटाला का काफिला भी वहां से चल पड़ा। दुष्यंत चौटाला की प्राइवेट पायलट गाड़ी तेज गति से चल रही थी इस दौरान पायलट गाड़ी ने सीआईए टीम की गाड़ी को दो-तीन बार गलत तरीके से ओवरटेक करने की कोशिश की जिससे दुर्घटना होते होते बची। जब गाड़ी सब्जी मंडी पुल के पास पहुंची तो जो पायलट गाड़ी गलत तरीके से ओवरटेक किया।

अब तक आई चार शिकायतें

डीएसपी ने बताया कि इस मामले में अब तक चार शिकायतें आई हैं। ये शिकायतें पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, उनके सुरक्षा कर्मी प्रदीप, सीआईए इंचार्ज पवन और ईएसआई राजकुमार की ओर से दी गई है। इस सारे मामले की जांच एसआईटी कर रही है।

पायलट गाड़ी के 4 चालान बाकी

डीएसपी ने कहा कि जिस प्राइवेट गाड़ी को पायलट के रूप में प्रयोग किया जा रहा था, उसके ओवर स्पीड के चार चालान पहले से पेंडिंग है। डीएसपी ने कहा कि दुष्यंत चौटाला के साथ जो प्रदीप नाम का जो पुलिस कर्मचारी था, उसकी ड्यूटी सिरसा कोठी में तैनात गार्द के रूप में है, ऐसे में उसे भी अपने बयान देने के लिए नोटिस दिया गया है।

दुष्यंत के मीडिया सलाहकार बोले अपने बचाव में झूठ बोल रही पुलिस

अपने बचाव में झूठ बोल रही पुलिस डीएसपी द्वारा वाई प्लस सुरक्षा के नियमों की अवहेलना की बात पर पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के मीडिया सलाहकार सतीश बैनीवाल का कहना है कि पुलिस पूरी तरह झूठ बोल रही है। माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश पर दुष्यंत चौटाला को सुरक्षा मिली हुई है, और सुरक्षा में जवानों के लिए कोई वाहन जरूर चाहिए, ऐसे में हमने वाहनों का प्रबंध कर रखा है, वाहनों में पुलिस के जवान होते हैं और वे हर जगह हर कार्यक्रम में जाते हैं। यही नहीं, सरकारी नियमानुसार इन जवानों की टीए भी दिया जाता है, ऐसे में पुलिस बताए कि हम गलत कहां हुए। उन्होंने कहा कि हमारा पूरा काम नियमानुसार है। सीआईए इंचार्ज को बचाने के लिए पुलिस केवल कहानियां बना रही है।

इंचार्ज के पास नहीं था हथियार

सीआईए इंचार्ज के पास हथियार होने के सवाल पर डीएसपी ने कहा कि उनके पास हथियार नहीं हाथ में मोबाइल था। कोई भी पुलिस अधिकारी या कर्मचारी हथियार लहराकर कानून हाथ में नहीं लेता। वैसे भी यदि कोई पुलिस अधिकारी हथियार लेकर कहीं जाता है तो यह थाने के रजिस्ट्रर में दर्ज होता है, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है।

हाईकोर्ट जाना अधिकार

पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला द्वारा इस मसले पर हाईकोर्ट जाने संबंधी सवाल पर डीएसपी ने कहा कि अगर वे हाईकोर्ट जाना चाहते हैं तो वे स्वतंत्र है, यह उनका अधिकार है। पुलिस की एसआईटी इस मामले की जांच कर रही है।

पीरांवाली में एंटी नारकोटिक टीम की कार्रवाई

नशा तस्कर गिरफ्तार, आरोपी व उसके 4 बेटों पर दर्ज हैं 28 केस

हिसार। जिला में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत में एंटी नारकोटिक सैल, की टीम ने सदर क्षेत्र के गांव पीरांवाली मे ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए एक नशा तस्कर को काबू किया है। पुलिस ने आरोपी जोगिंदर सिंह उर्फ गिंदु को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 12.27 ग्राम अवैध हेरोइन बरामद की है। एंटी नारकोटिक सैल प्रभारी सब इंस्पेक्टर इंद्र सिंह गोदारा ने बताया कि एएसआई जगदीश कुमार अपनी पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पड़ताल नशाखोरी पर मौजूद थे। इसी दौरान मिली सूचना के आधार पर आरोपी को काबू किया गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से हेरोइन बरामद हुई। आरोपी पर सदर थाना में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आरोपी व बेटे पर ये हैं मामले

थाना प्रभारी इन्द्र सिंह ने बताया कि पकड़े गये आरोपी पर एनडीपीएस एक्ट के चार मामले, उसके बेटे अजय पर एनडीपीएस एक्ट के 16 मामले, बेटे बूटा सिंह पर एनडीपीएस एक्ट के तीन मामले, बेटे बगीचा पर एनडीपीएस एक्ट के चार मामले व बेटे बिट्टू पर एनडीपीएस का एक मामला दर्ज है।

तस्कर पीरांवाली छोड़ें या नशे का धंधा

प्रभारी इंद्र सिंह गोदारा ने चेतावनी देते हुए कहा कि नशा तस्कर या तो गांव पीरांवाली छोड़ दें या नशा तस्करी का धंधा, अन्यथा पुलिस द्वारा उनके खिलाफ इसी प्रकार सख्त एवं लगातार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला में नशा तस्करी को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे तत्वों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई जारी रहेगी।

हिसार मे पारा 41 डिग्री, अगले कुछ दिन और बढ़ोतरी के आसार

■ रात्रि तापमान में गिरावट से सुबह व शाम रहेगी ठंडक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हाल ही में राज्य के विभिन्न जिलों में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हुई बूंदाबांदी व कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि के बाद अब मौसम बदलने लगा है। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में रविवार को तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। मौसम विशेषज्ञों ने अगले कुछ दिनों में इसी तरह की बढ़ोतरी की आशंका जताई है। रविवार को हिसार का अधिकतम तापमान 41 डिग्री दर्ज किया गया। रविवार को एकाएक बढ़े मौसम के साथ हल्की गर्म हवाएं भी महसूस की गई जबकि न्यूनतम तापमान में फिलहाल कोई बढ़ोतरी दर्ज नहीं हुई है। न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी न होने की वजह से सुबह-शाम हल्की राहत महसूस की जा रही है। मौसम विशेषज्ञों का कहन है कि हरियाणा में अधिकतम तापमान लगातार बढ़ रहा है और ज्यादातर जिलों में यह सामान्य से ऊपर चल रहा है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ का कहना है कि अब प्रदेश का मौसम साफ व खुश्क रहने की संभावना है। इस दौरान दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने व रात्रि तापमान में गिरावट होने की संभावना है। रात्रि तापमान में गिरावट के चलते सुबह व शाम ठंडक बनी रहेगी।

डंपिंग स्टेशन के आसपास के इलाके में करीब 1000 एकड़ में पककर तैयार खड़ी है गेहूं की फसल

नगर परिषद के डंपिंग स्टेशन में लगी आग साथ लगते खेतों के किसानों की सांसें फूलीं

■ जेसीबी और फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने मौके पर पहुंच पाया आग पर काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

नगर परिषद के बीड़ फॉर्म स्थित डंपिंग स्टेशन पर पड़े कचरे के देर में रविवार दोपहर को भयंकर आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। कूड़े के ढेर से उठती आग की लपटों व धुएं को देखकर आसपास के किसानों के हाथ पांव फूल गए और उन्होंने तुरंत डायल 112 व दमकल विभाग को कूड़े के ढेर में लगी सूचना दी।

दमकल की गाड़ी पहुंचने से पहले किसानों ने अपने स्तर पर कूड़े के ढेर में लगी आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन कचरे में आग इतनी जबरदस्त तरीके से लगी हुई थी कि किसानों के प्रयास कम पड़ गए। सूचना मिलने के कुछ समय बाद ही डायल 112 पुलिस कर्मचारियों की टीम व फायर ब्रिगेड की गाड़ी जेसीबी मशीन के साथ मौके पर पहुंची लेकिन फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी से कूड़े में लगी आग पर काबू नहीं पाया जा सका। इसके बाद दमकल विभाग की एक-एक करके तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और कूड़े के ढेर में लगी आग पर काबू पाया। नगर परिषद द्वारा जेसीबी मशीन से कुड़े के ढेर के चारों ओर गड्ढे खोद आग को फैलने से रोका गया। इस अवसर पर मौजूद आसपास के किसानों ने बताया कि उन्होंने इस डंपिंग स्टेशन को हटाने को लेकर प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड से लेकर प्रधानमंत्री तक शिकायत दे रखी है। इसके अलावा एनजीटी कोर्ट में भी डंपिंग स्टेशन हटाने को लेकर मामला विचाराधीन है। डंपिंग स्टेशन हटाओ संघर्ष समिति के प्रधान डॉक्टर संदीप चहल ने बताया कि डंपिंग स्टेशन के आसपास नजदीकी एरिया में करीब 1000 एकड़ गेहूं की पकी हुई फसल तैयार खड़ी है। डंपिंग स्टेशन पर धुआं उठते देख आसपास के सैंकड़ों किसानों की सांस फूल जाती है। उन्होंने कहा कि डंपिंग स्टेशन पर रोजाना आग लगने की घटना से घबराए हुए किसानों ने आनन फानन में गेहूं निकालने शुरू कर दिए।

हांसी। डंपिंग स्टेशन पर लगी आग, आग बुझाने का प्रयास करते दमकल कर्मी व आग को फैलने से रोकने के गड्ढे खोदती जेसीबी मशीन। फोटो : हरिभूमि

गश्त के दौरान पुलिस ने बढ़ाई सख्ती

670 वाहनों की जांच, 223 के काटे चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

जिला में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा दिन-रात्रि के समय विशेष गश्त अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत पैदल गश्त के साथ-साथ पीसीआर, राइडर एवं ईआरवी टीमों द्वारा शहर तथा आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में सतत निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बताया कि इसी क्रम में जिला पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान कुल 670 वाहनों की बारीकी से जांच की गई। जांच के दौरान यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले 223 वाहन चालकों के चालान किए गए, जिनमे दो ट्रिंकिंग के चालान, दो चालान बिना नंबर प्लेट, पांच ट्रिपल राइडिंग, 27 लाइन चेंज के चालान शामिल है। इससे स्पष्ट होता है कि पुलिस यातायात नियमों के पालन को लेकर पूरी तरह गंभीर है। पुलिस अधीक्षक के अनुसार इस विशेष गश्त एवं चेकिंग अभियान के माध्यम से संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों पर पैनी नजर रखी जा रही है। पुलिस का उद्देश्य है कि आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए तथा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा का माहौल बनाए रखा जाए।

निगरानी व्यवस्था को किया गया मजबूत

सिद्धांत जैन ने बताया कि पुलिस की विभिन्न टीमें आपसी समन्वय के साथ कार्य कर रही हैं। पीसीआर, राइडर व ईआरवी टीमें निरंतर गतिशील रहकर शहर के प्रमुख स्थानों, बाजारों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बनाए हुए हैं। इससे आमजन में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ हो रही है। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करें, हेलमेट, सीट बेल्ट का प्रयोग करें तथा वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आमजन की सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से ऐसे विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे, ताकि नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करें और कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके।

पिस्तौल के बल पर लूटपाट का आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

हिसार। पुलिस चौकी मंगाली ने राहगीर से पिस्तोल की नोक पर मोबाइल और नकदी लूटने के मामले में कार्रवाई करते हुए चौथे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान भिवानी के ढाणी महू निवासी दीपक के रूप में हुई है। मंगाली चौकी प्रभारी सहायक उप निरीक्षक संदीप ने बताया कि यह मामला पिछले वर्ष दो दिसंबर का है। इस संबंध में गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट कंपनी में सेल्समैन के पद पर कार्यरत है सातरोड निवासी हिमांशु ने शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार वह अपनी बाइक पर तोशाम से हिसार की ओर जा रहा था। सुबह करीब 08:05 बजे मंगाली कुटिया के पास एक काले रंग की स्विफ्ट कार में सवार तीन नकाबपोश युवकों ने उसे रोका। आरोपियों ने बंदूक दिखाकर पीड़ित का मोबाइल और जेब से पर्स लूट लिया, जिसमें करीब 40-45 हजार रुपये और पहचान पत्र थे। वारदात के बाद आरोपी बाइक की चाबी लेकर फरार हो गए थे। इस मामले में पुलिस पहले ही तीन आरोपियों साहिल, विष्णु और कुलदीप को गिरफ्तार कर चुकी है। छीना गया फोन पहले ही बरामद किया जा चुका है।

गो-सेवा के नाम पर ठगी का आरोपी काबू, 80 लाख के फ्रॉड का खुलासा

हांसी। हांसी सीआईए-वन टीम ने गो-सेवा के नाम पर धोखाधड़ी व ठगी के मामले में संलिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान पानीपत की धूपनगर कालोनी व हाल करनाल रोड कैथल निवासी जितेन्द्र के रूप में हुई है। एएसआई राजेन्द्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने मानपुरा निवासी रामचन्द्र की शिकायत पर 2022 में थाना सदर हांसी में गो-सेवा के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले 6 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उन्होंने बताया कि इस मामले में जांच के दौरान पुलिस द्वारा अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी जितेन्द्र के बैंक खाते में करीब 49 लाख रुपये ट्रांजेक्ट किए गए थे। आरोपी एवं उसके अन्य साथी गो-सेवा के नाम पर लोगों को भावनात्मक रूप से प्रभावित कर उनसे रुपए ऐंठते थे। यह गिरोह लोगों को धार्मिक आस्था के नाम पर झांसे में लेकर उनसे धनराशि एकत्र करता था और बाद में मोबाइल नंबर व तथाकथित गो-सेवा समिति के नाम बदलकर लोगों से संपर्क तोड़ लेता था। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान सामने आया कि सभी आरोपियों ने मिलकर गो-सेवा के नाम पर करीब 80 लाख रुपये की ठगी को अंजाम दिया है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुख्ता साक्ष्य मिलने के बाद आरोपी जितेन्द्र को गिरफ्तार कर अदालत में पेश करके दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

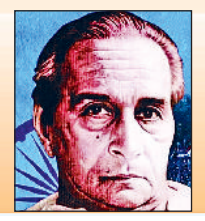

कहानी

आशमा कौल

प्यारी की अरदास

सब छोटे-बड़े मानो तैयार होने की प्रतिस्पर्धा में जुट गए, कोई घर में तो कोई पार्लर में । अम्मा जी फिर अकेली रह गई। वह सोच रही थी कि आज इस बड़ी खुशी में बेटा-बहू उसको सम्मान से साथ ले जाएंगे।

हर जगह 'प्यारी' नाम के ही चर्चे थे और उसके पांव तो खुशी में जमीन पर पड़ ही नहीं रहे थे। अपनी बेटी, दामाद और उनके घर वालों की खातिरदारी में भी प्यारी ने कोई कमी नहीं छोड़ी थी, लेकिन आज उम्र के इस ढलान पर उसकी कोई पूछ नहीं है।

एआई जेनरेटेड इमेज

आज प्यारी के पोते की शादी है । घर गहमा-गहमी से भरा हुआ है । दूर के रिश्तेदार आने शुरू हो गए हैं । घर में ढोलकी बज रही है, बन्ना –बन्नी के गीत गाए जा रहे हैं ।

प्यारी की उम्र अस्सी से पार हो चली है और उसे घर के सबसे पीछे वाले कमरे में बिठाया गया है। अब वह ज़माना नहीं रहा, जब बड़े-बुजुर्गों को घर के हर काम में आगे रखा जाता था और उनसे हर मसले पर राय ली जाती थी। प्यारी अपने पलंग पर बैठी है, लेकिन उसके कान तो बाहर की तरफ ही लगे हुए हैं। आंखें और घुटने कमज़ोर होते हुए भी आज उसका मन पोते के ब्याह की खुशी की उमंग में उछल रहा है। बीच-बीच में कोई अगर उसके कक्ष के पास से गुज़रता है तो प्यारी आवाज़ें लगाती हैं ताकि सब जान सकें कि वह भी इस घर की खुशी में शामिल है।

'अरे फूफी और फूफा जी आ गए , उनका सामान अंदर ले जाओ'

'बधाई है भाभी, बहूत-बहूत बधाई , मां ठीक है न....' धीमी धीमी आवाज़ें प्यारी के कमजोर कानों में तैर रही हैं, आवाज़ें साफ नही हैं, फिर भी वह समझ गई है कि उसकी दोनों बेटियां और दामाद अभी-अभी पहुंचे हैं। अब वह इंतज़ार में है कि सभी आकर उसको भी बधाई देंगे। वह बार-बार आने वाले रिश्तेदारों की आवाज़ सुनने की कोशिश कर रही है कि उसे भी तो पता चले कि कौन-कौन पहुंच गया है। वह मन ही मन अपनी श्रवण शक्ति को कोस रही है। उसका हालचाल तो सभी पूछ रहे हैं, लेकिन कोई उससे मिलने नहीं आया अभी तक। प्यारी बहूत बेचैन है। घर की कामवाली पारो प्यारी के लिए दिन के भोजन की थाली लेकर आई है।

'अम्मा जी हाथ धो लीजिए, खाना लाई हूँ'

'अरी पारो, तू भी आज बहूत देर से आई मेरे पास। अभी भूख नहीं है , इधर आ मेरे पास बैठ और मुझे बता कि कौन-कौन आ गया है और सबने खाना खा लिया है कि नहीं।'

'अम्मा जी आप खाना खा लो, आज घर में बहूत काम है, मुझे बात करने की फुर्सत कहां हैं, यहां देर कर दी तो मेम साहब बहूत डांट लगाएगी । आपका क्या, आराम से बैठी हो पलंग पर और काम कोई करना नहीं।'

" सच है पारो, अब मैं बेकार हो गई हूं लेकिन बच्चों को देखने का बहूत मन है, वह काम में लगे हैं तो मुझे धीरे-धीरे बैठक में ले जा, जहां ढोलकी बज रही है।'

'ना बाबा ना, मुझे मेमसाहब से डांट नहीं खानी है , आज वह वैसे भी गुस्से में लग रही हैं । मै उन सबको कह दूंगी कि आप से यहीं आकर मिल लें'– जल्दी से अपना पल्लू झाड़ कर पारो थाली वापस लेकर कक्ष से बाहर निकल गई।

याद आ रहा है प्यारी को अपने बेटे की शादी वाला दिन, कैसे दौड़-दौड़ कर आवभगत कर रही थी, वह सब मेहमानों की । क्या खूब नाची थी वह बारात में कि देखने वाले भी उसका उत्साह देख कर दंग रह गए थे । सुंदर गुलाबी साड़ी और गहनों में वह सभी पर गज़ब ढा रही थी और कुछ को तो यह अंदेशा था कि वह शायद दूल्हे कि मां नहीं बड़ी बहन है। सुबह तारों की छांव में जब वह बहू को लेकर घर पहुंची थी तो उसकी खुशी का ठिकाना ही नहीं था। उसके बर्ताव से बहू, पति, घरवाले, मेहमान और समधी सभी बहूत प्रभावित और खुश थे।

हर जगह 'प्यारी' नाम के ही चर्चे थे और उसके पांव तो खुशी में जमीन पर पड़ ही नहीं रहे थे। अपनी बेटी, दामाद और उनके घर वालों की खातिरदारी में भी प्यारी ने कोई कमी नहीं छोड़ी थी। लेकिन आज उम्र के इस ढलान पर उसकी कोई पूछ नहीं है, यह सोच कर उसका दिल भर आया और आंखें भीग गई । वह सोच रही थी कि वह भी एक ज़माना था, जब वह अपनी सास और मां की परामर्श हर बात में लेती थी और यह आज का मुआ समय जब घर के आखिरी कमरे में उसे अकेले छोड़ दिया गया है। अचानक दरवाज़ा खुलने की आवाज से वह सचेत हुई –

" कौन है, आ जाओ "।

मां, मैं हूं कुमुद, कैसी हो तुम।

अरे बिटिया, आ गले लग जा मेरे, बहूत देर से इंतज़ार कर रही थी कि कोई तो आकर मुझसे मेरा हाल पूछे।

"मां, हम सब भाभी का हाथ बंटा रहे थे, आपको पता तो है, वह छोटी-छोटी बातों से परेशान हो जाती है, लेकिन तुम यहां अकेली क्यों बैठी हो, चलो मैं तुम्हें बैठक में ले चलूं'।

'ना बेटा, मैं यहीं ठीक हूँ, तुम सबको परेशानी होगी'।

'नहीं मां, कैसी परेशानी, तुमसे तो घर की रौनक है। दीदी जीजाजी और बच्चे सब वहीं हैं, चलो मैं धीरे- धीरे तुम्हें वहां तक ले चलती हूं।'

बेटी का हाथ थाम कर प्यारी पलंग से उठी और नपे-तुले कदमों से बैठक तक आ गई और सबको दुआएं देने लगी। बैठते हुए प्यारी का हाथ मेज पर पड़े शीशे के गिलास से लग गया और गिलास गिर कर टूट गया। इससे पहले कि कुमुद टूटा गिलास उठाती, भाभी हो हल्ला करती बैठक में आ गई – "लो हो गया काम, अरे अम्मा जी को कौन यहां लेकर आया "।

'अम्मा जी, मैंने आपसे कहा था कि आज वहीं अपने कक्ष में बैठी रहना। काम में मदद नहीं करा सकती हैं, तो कम से कम काम को बढ़ाएं तो नहीं'– तल्ख स्वर में बहू लगभग चिल्लाई तो अम्मा जी घबराहट में कांपने लगी कि शायद उससे कुछ बहूत बड़ा नुकसान हो गया है, तभी पारो आई और शीशा समेट कर ले गई। बेटियां जो सब देख-सुन रही थी, उन्हे भाभी की बात अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे उसके स्वभाव से परिचित थी इसलिए कुछ कह नहीं सकी और अम्मा जी भी वहीं चुपचाप कुर्सी में धंस सी गई ताकि माहौल खराब न हो ।

'आप सब लोग अब जाने की तैयारी करो और बच्चों को भी जल्दी तैयार करो, दो घंटे में घुड़चढ़ी का मुहर्त है, बारात समय से निकले तो अच्छा है' अचानक बेटे की आवाज सुन अम्मा जी निहाल हो गई और वह पोते के साथ गाड़ी में बैठ कर जाने के ख्वाब बुनने लगी।

सब छोटे-बड़े मानो तैयार होने की प्रतिस्पर्धा में जुट गए, कोई घर में तो कोई पार्लर में । अम्मा जी फिर अकेली रह गई। वह सोच रही थी कि आज इस बड़ी खुशी में बेटा-बहू उसको नई साड़ी देंगे और सम्मान से साथ ले जाएंगे। वह अभी इन्हीं ख्यालों में थी कि बहू की आवाज उसके कानों में पड़ी –

"अरी पारो, यह लो तुम्हारा नया सूट, चलो जल्दी पहनो और तैयार हो जाओ "

'लेकिन मैडम जी , फिर घर में कौन रहेगा'।

'अम्मा जी है न घर में, तुम उनके खाने की थाली बनाकर उनके पलंग पर रख दो और उन्हें भी उनके कमरे में पहुंचा दो ताकि जब बहू आए तो आगे की बैठक ठीक-ठाक मिले। बाहर के दरवाजे पर ताला रख देंगे। अब जल्दी करो समय निकला जा रहा है'।

यह सब बातें बहू ने ज़ोर-ज़ोर से बोली ताकि सासु मां सुन ले और दोबारा उन्हें न कहनी पड़े। ऐसा ही हुआ, प्यारी ने सब सुना तो उसका दिल टूट गया, लेकिन उसने उसकी किरचें फैलने नहीं दी, अपने ही अंदर समेट ली ताकि वे उसके बच्चों को न चुभ जाए। अधिकतर माएं ऐसी ही होती हैं। उसकी आंख में दो आंसू आए, लेकिन बदशकुनी के डर से उसने उन्हें आंखों की कोरों में ही जज़्ब कर लिया। बड़ी बेटी जो सब देख चुकी थी, उससे रहा नहीं गया, बोली – मां मैं तुम्हारे लिए नई साड़ी लाई हूं, वह पहन कर तुम मेरे साथ चलोगी'।

'नहीं बेटा, देर हो रही है, तुम जल्दी तैयार होकर निकलो वरना तुम्हारी भाभी नाराज हो जाएगी'– प्यारी खुद पर संयम रख कर बोली।

उसने बेटी की बात नहीं मानी, उसे तो बेटे से उम्मीद थी कि वह आज जिद करके उसे अपने साथ शान से ले जाएगा। घुड़चढ़ी का समय हो गया था और प्यारी के कानों में बैंड -बाजे की हल्की-हल्की आवाज़ आ रही थी और वह अपने दोनों हाथ जोड़े ईश्वर से बच्चों की सलामती की दुआ मांग रही थी। धीरे-धीरे आवाज़ें आनी बंद हो गई और प्यारी रात भर, नई बहू के आने तक अपने इष्ट से अरदास करती रही ताकि उसके टूटे दुखी दिल से बेटे के लिए कोई बददुआ न निकल जाए।

पुस्तक समीक्षा

आत्मचिंतन की नई दिशा देती है 'आत्मप्रबंधन

समीक्षक

ममता कुशवाहा

'आत्मप्रबंधन : सफलता की सीढ़ी' केवल एक साधारण निबंध-संग्रह नहीं, बल्कि लेखक नृपेन्द्र अभिषेक नृप के अंतर्मन में उठते विचारों, संवेदनाओं और जीवन-दृष्टि का सजीव दस्तावेज़ है। यह कृति पाठक को आत्मचिंतन, आत्मसंयम और आत्मबोध की उस यात्रा पर ले जाती है, जहां वह स्वयं से संवाद करना सीखता है। इस संग्रह में शामिल निबंध 'चुप्पी भी बोलती है', 'भीड़ में इंसान गुम क्यों हो रहा है?', 'गलतियों के साए में उगता सुधार का प्रकाश', 'जहाँ झूठ आसान है, वहाँ सच साहस मांगता है', 'यादें: जीवन का सहारा या बोझ?', 'अकेलापनः रिश्तों की भीड़ में एकांत का सच' आदि, जीवन के उन पहलुओं को उजागर करते हैं, जिनसे हम प्रतिदिन रूबरू होते हैं, परंतु अक्सर उन्हें समझने का प्रयास नहीं करते। 'चुप्पी भी बोलती है' निबंध में लेखक मौन की शक्ति को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हैं। उनके अनुसार, मौन केवल शब्दों का अभाव नहीं, बल्कि अंतर्मन की वह स्थिति है, जो नकारात्मकता को सकारात्मकता में रूपांतरित करने की क्षमता रखती है। 'बदलाव को स्वीकारना भी एक नैतिक साहस है' में लेखक जीवन के अनिवार्य परिवर्तनशील स्वरूप को रेखांकित करते हैं। वे बताते हैं कि परिवर्तन से भयभीत होने के बजाय उसे स्वीकार करना ही जीवन की प्रगति का मूल मंत्र है।

'कठिन समय में चरित्र की असली परीक्षा होती है' निबंध में धैर्य को जीवन की सबसे बड़ी शक्ति बताया गया है। लेखक के अनुसार, विपरीत परिस्थितियाँ ही व्यक्ति के चरित्र को गढ़ती हैं और धैर्य उसे टूटने से बचाता है। वे स्पष्ट करते हैं कि धन, पद और प्रतिष्ठा भले ही बाहरी सुख दें, परंतु सच्चा संतोष केवल संस्कार, ईमानदारी और सहनशीलता से ही प्राप्त होता है। समकालीन समाज में व्याप्त झूठ, पाखंड और दिखावे के बीच लेखक 'चमक के शोर में खोती सादगी की मौन शक्ति' के माध्यम से सादगी के महत्व को पुनर्स्थापित करते हैं। 'जीवन का सफरः योजना और अनिश्चितता के बीच' निबंध में लेखक जीवन की विविधता और व्यक्तिगत भिन्नताओं को समझाने का प्रयास करते हैं। वे पाठकों को यह संदेश देते हैं कि तुलना के बजाय आत्मस्वीकृति और अपनी परिस्थितियों के अनुरूप आगे बढ़ना ही वास्तविक सफलता का मार्ग है। वास्तव में यह कृति पाठक को आत्मविश्लेषण के लिए प्रेरित करती है। यह सिखाती है कि आत्मसंयम, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन को नई दिशा दे सकता है। 'आत्मप्रबंधन : सफलता की सीढ़ी' जीवन की उस सच्चाई को सामने लाती है कि यह केवल संघर्षों का नहीं, बल्कि आशाओं, सपनों और संतुलन का सुंदर संगम है।

कवि कॉर्नर

कविता कियांश जुनेजा

मेरा संकल्प

जुलाई की तीस तारीख थी,
वर्ष दो हज़ार सोलह का,
नन्हीं आंखों में सपना था,
उज्ज्वल भविष्य के लेखा का।
जहां लोग घबराते थे,
उन चमकते औज़ारों से,
मैंने दोस्ती कर ली थी,
उन सौ अनजाने संसारों से।

डर को मैंने हराया था,
जिज्ञासा को अपनाया था,
ज्ञान की उस रोशनी ने,
जीवन पथ को सजाया था।'
इंडिया बुक' में नाम लिखा,
'एशिया बुक' ने सम्मान दिया,
मेहनत के हर एक पल ने,
मुझे नई पहचान दिया।

पर केवल रिकॉर्ड बनाना,
मेरा मकसद नहीं बना,
हर भारतवासी स्वस्थ रहे
यही दिल का है सपना।
मुस्कान हर चेहरे पर हो,
यही मेरी चाहत है,
स्वस्थ जीवन की ज्योति ही,
मेरे मन की इबादत है।

स्कूल-स्कूल मैं जाता हूँ,
जागरूकता का दीप लिए,
एनजीओ संग कदम बढ़ाकर,
सेवा का संकल्प लिए।
हर बच्चे को समझाता हूँ,
सेहत का सच्चा खजाना,
दो मिनट की सही ब्रशिंग से,
रोगों को दूर भगाना।

देश सेवा ही धर्म मेरा,
यही मेरा अभिमान है,
भारत माँ की सेवा में,
समर्पित मेरा प्राण है।
मुस्कान बने पहचान हमारी,
सेहत हमारी ताकत हो,
हर कर्म में बस देश बसे,
ऐसी मेरी चाहत हो।

रिकॉर्ड तो बस पहला कदम,
अभी बहूत आगे जाना है,
स्वच्छ और स्वस्थ भारत का,
सपना सच कर दिखाना है।
छोटा हूँ पर हौसला बड़ा,
यही मेरा अरमान है,
हर बच्चे की सच्ची हँसी ही,
मेरी असली पहचान है।

व्यंग्य आसिम अनमोल

टांग अड़ाने का अपना सुख-चैन

शरीफ़ से शरीफ़ रिश्ते को भांजी मारने वाले अपनी टांग अड़ाई से कहीं जुआरी बना देते हैं कहीं शराबी। अच्छे रिश्ते मिलने के अब इंसान ख्वाब ही देख रहा है। टांग अड़ाना इसका मूल कारण है। टांग अढ़ाई और शराफ़त गिरी का छत्तीस का आंकड़ा हमेशा से रहा है। जितना अच्छा काम करोगे, नेकी के पथ पर चलोगे, उतनी दुगनी ताक़त से टांग अड़ाई जाएगी। आप कोई खराब काम करके देख लीजिए। प्रोत्साहित करने वाले हज़ार मिल जाएंगे । टांग अड़ाने वाला कोई नहीं मिलेगा।

टांग अड़ाने में हमारे भारत को कोई नहीं पछाड़ सकता। इसमें हमारा भारत पूरी तरह पारंगत है। टांग कहीं पर भी अड़ा दो। यह यहीं संभव है। हमारा देश तो टांग अड़ाने से ही चल रहा है। सत्ता पक्ष के हाथों में देश की भागदौड़ आ जाए तो विपक्ष का टांग अड़ाते रहना दिनचर्या का काम है। अड़ाएगा नहीं तो उसकी उम्मीदें परवान कैसे चढ़ेंगी। इसलिए टांग अड़ाना नितांत आवश्यक। चाहे घर में बनते हुए काम में टांग अड़ा दो। ऑफिस की फाइलों में टांग अड़ा दो।

रास्ते में बातचीत करते जा रहे राहगीर में अड़ा दो। किचन में बन रहे व्यंजन में अड़ा दो। अच्छा नहीं बना। ग़रीब के मुश्किल से बन रहे आधार कार्ड में अड़ा दो। पति-पत्नी के फिल्म देखने के प्रोग्राम में अड़ा दो। अड़ाने में कोई बौद्धिक ताकत नहीं लगती। जैसे छप्पर उठाने के लिए नीचे से डंडे अड़ाए जाते थे। वैसे ही आज जगह-जगह टांग अड़ाई जा रही है। टांग अड़ाना भी साहब एक कला है, फिर कला की बेकद्री कैसे की जा सकती है? टांग सचमुच हर जगह अड़ ही जाती है। माल में खरीदारी करते समय भीड़ में क़दमों की टांग अड़ाई भी हो जाती है। टांग तो टांग है, वो अपनी हरकत से बाज कहां आती है। सफल हो रहे रास्तों में भी ऐसे टांग अड़ाई जाती है कि सफलता भी भी टांग अड़ाई पर पीएचडी करने की ठान लेती है। टांग अड़ाना एक अदब का वायज बनता जा रहा है। टांग अगर आपने कहीं नहीं अड़ाई तो आपकी टांगों में टांग अड़ा दी जाएगी। बवैर टांग अड़ाए इस वतन की मिट्टी में कोई काम हो ही नहीं सकता। ऐसे टांग की अपनी गरिमा बनी रहती है। गरिमा का ध्यान रखते हुए टांग अपना टारगेट हज़ार जगह अपनी टांग अड़ाकर ही पूरा करता है। टांग अड़ाना एक सामाजिक काम हो गया है।

समाज का सहयोग करने के लिए समाज को टांग अड़ाई का जगह-जगह प्रशिक्षण देना भी जरूरी हो गया है। जिसे टांग अड़ाना नहीं आता उसे चलते-फिरते लोगों पर टांग अड़ाने का प्रशिक्षण देना जरूरी है। टांग अड़ाने में अगर किन्तु परन्तु हो भी जाता है तो भी टांग अड़ाने का हौसला बढ़ाने में सहयोग देना चाहिए। टांग का बड़ा महत्व है। टूटी हुई टांग भी अपनी मशहूरियत का ऐसे खुलासा करती है कि अगर रास्ते में मैंने टांग नहीं अड़ाई होती तो टांग पर चढ़े प्लास्टर की महत्ता कैसे बढ़ती। इसलिए टांग अड़ाना बहूत जरूरी है। बवैर टांग अड़ाए टांग के होने का महत्व ख़त्म हो जाता है। टांग अड़ाना इंसान का मूलभूत हथियार बन चुका है। टांग अड़ाने में इंसान परिपक्व न होकर भी परिपक्वता को समाज के सामने आसानी से ज़ाहिर कर सकता है। टांग फिल्म जगत में भी खूब अड़ाई जाती है। हीरो-हेरोइन का आपसी प्यार तक खलनायक नागवार गुज़रता है। तभी ढिशुम ढिशुम टांग अड़ाने का प्रतीक बन जाता है। टांग अड़ाना सारे नियम कायदे सामाजिक सरोकारों को ऐसे धता बताते हैं कि लड़के लड़कियों के रिश्तों तक में टांग अड़ाने से बाज नहीं आता।

शरीफ़ से शरीफ़ रिश्ते को भांजी मारने वाले अपनी टांग अड़ाई से कहीं जुआरी बना देते हैं कहीं शराबी। अच्छे रिश्ते मिलने के अब इंसान ख्वाब ही देख रहा है। टांग अड़ाना इसका मूल कारण है। टांग अढ़ाई और शराफ़त गीरी का छत्तीस का आंकड़ा हमेशा से रहा है। जितना अच्छा काम करोगे, नेकी के पथ पर चलोगे, उतनी दुगनी ताक़त से टांग अड़ाई जाएगी। आप कोई खराब काम करके देख लीजिए। प्रोत्साहित करने वाले हज़ार मिल जाएंगे । टांग अड़ाने वाला कोई नहीं मिलेगा। पुलिस तो बिलकुल ही नहीं दिखाई देगी। असल में यह मान लेना चाहिए कि टांग अड़ाना एक फैशन है। अड़ाए बवैर चैन भी नहीं। आजकल इंसान इतनी समस्याओं में उलझने के बावजूद हर मसले में टांग अड़ा अड़ाकर सुख-चैन हासिल कर रहा है तो इसमें बुराई क्या है। आपके उन्नति के रास्ते पर टांग अड़ाई जा रही है तो आप परेशान न हों। क्योंकि इस टांग अड़ाई में ही आपकी उन्नति उन्नति को उन्नति तक पहुंचा सकती है। टांग अड़ा अड़ाकर मनुष्य ने जहालत को भी शिष्टाचार बना दिया। टांग अड़ाने को सामाजिक पहचान दिला दी। टांग अड़ाने का महत्व हमारे समाज पर इतना मेहरबान है कि अब 2027 में ना जाने कितनी टांगें सियासत की भगदड़ में अड़ाई जाएंगी। अब टांग अड़ाने में देश का हश्र कुछ भी हो लेकिन टांग अड़ाने वाले अपने हश्र का ख्याल जरूर रखेंगे। देखते हैं कि टांग अड़ाते-अड़ाते हमारे देश का कितना ख्याल रखती हैं टांगें।

कुछ हटकर

बीटेक सीएसई-एआई-एमएल के बाद करियर की भरें उड़ान

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बीटेक (कंप्यूटर साइंस – ए.आई. एंड एम.एल.) एक चार वर्षीय आधुनिक स्नातक कार्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की गहन समझ प्रदान करता है। विद्यार्थी पाइथन प्रोग्रामिंग, डाटा स्ट्रक्चर, अल्गोरिथ्म्स, डीप लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क्स , डाटा साइंस, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, और कंप्यूटर विजन जैसे विषयों का व्यावहारिक अध्ययन करते हैं। इसका उद्देश्य केवल कोडिंग सिखाना नहीं है, बल्कि उन्हें इंटेलीजेंट सिस्टम्स और ऑटोमेशन के विकास में सक्षम बनाना है। ए.आई. -ड्रिवेन ऍप्लिकेशन्स, डाटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

उच्च शिक्षा के मौके

यह एक ऐसा कोर्स है जो विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी क्रांति का हिस्सा बनाता है। यह क्षेत्र केवल इंजीनियरिंग नहीं, बल्कि इनोवेशन और ऑटोमेशन का संगम है। सही कौशल, मार्गदर्शन और निरंतर अपडेट के साथ विद्यार्थी इस क्षेत्र में देश और विदेश दोनों में उत्कृष्ट करियर बना सकते हैं।

प्रमुख विशेषज्ञताएं

ए.आई. और एम.एल. के अंतर्गत अनेक शाखाएँ हैं जिनसे विद्यार्थी भविष्य की तकनीक में अपनी विशेषज्ञता स्थापित कर सकते हैं

- एआई इंजीनियरिंग
- मशीन लर्निंग व डाटा एनालिटिक्स
- डीप लर्निंग एंड न्यूरल नेटवर्क्स
- नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग
- रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन
- कंप्यूटर विजन एंड इमेज रिकग्निशन
- प्रेडिक्टिव मॉडलिंग एंड डाटा माइनिंग

आवश्यक कौशल

छात्रों में निम्नलिखित क्षमताएं आवश्यक हैं ,लॉजिकल थिंकिंग और एनालिटिकल स्किल्स, डाटा मॉडलिंग और स्टेटिस्टिक्स की समझ, पाइथन या जावा जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेज में दक्षता, मशीन लर्निंग लाइब्रेरीज का ज्ञान, प्रॉब्लम सॉल्विंग और रिसर्च ओरिएंटेशन के माध्यम से भूमिका निभा सकते हैं।

निजी क्षेत्र में विकल्प

हर उद्योग चाहे वह हेल्थकेयर हो, फाइनेंस, एजुकेशन या ई-कॉमर्स — अब ए.आई. सोलूशन्स की ओर अग्रसर है। जैसे आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, ,डाटा साइंस और एनालिटिक्स, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स, क्लाउडऔर ए.आई. इंटीग्रेशन

ये मिल सकता है वेतन : निजी क्षेत्र में ए.आई. & एम.एल. स्नातकों की प्रारंभिक आय लगभग ₹6 से ₹10 लाख वार्षिक होती है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह ₹20 से ₹30 लाख वार्षिक तक पहुँच सकती है।सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक उपक्रमों में भी कंप्यूटर साइंस स्नातकों के लिए अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी क्षेत्र में भी ए.आई. और डाटा एनालिटिक्स की भूमिका अब अत्यधिक बढ़ गई है। कई विभाग और अनुसंधान संस्थान ऑटोमेशन , साइबर सिक्योरिटी, डिफेन्स रिसर्च और इ -गवर्नेंस परियोजनाओं में ए.आई. विशेषज्ञों को नियुक्त कर रहे हैं।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन ₹5 से ₹9 लाख वार्षिक के बीच होता है, जबकि अनुभव और शोध अनुभव के साथ यह ₹15 लाख या उससे अधिक तक पहुँच सकता है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

स्क्रीन टाइम कम करने के उपाय

दिव्या तंवर
मोटिवेशनल स्पीकर

आज की युवा पीढ़ी यानी सोशल मीडिया के बिना एक पल भी कल्पना नहीं कर सकती। इंस्टाग्राम, टिकटॉक, फेसबुक, एक्स (पूर्व ट्विटर) और यूट्यूब शॉर्ट्स हमारे रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। सुबह उठते ही नोटिफिकेशन चेक करना, रील्स देखना और स्टोरी पोस्ट करना – ये सब अब आदत बन गई है। क्या आपने कभी सोचा है कि ये प्लेटफॉर्म हमारे दिमाग पर क्या असर डाल रहे हैं? सकारात्मक पहलुओं के साथ-साथ नकारात्मक प्रभाव भी बहूत गहरे हैं। इस लेख में हम इन्हीं प्रभावों पर चर्चा करेंगे और बताएंगे कि स्क्रीन टाइम कैसे कम किया जा सकता है। सोशल मीडिया सबसे पहले तो ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को कमजोर कर रहा है। 15-30 सेकंड के रील्स और शॉर्ट वीडियो हमें लगातार नई उत्तेजना देते रहते हैं। नतीजा? पढ़ाई, काम या किसी काम पर लंबे समय तक ध्यान लगाना मुश्किल हो गया है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, जो युवा रोज 3 घंटे से ज्यादा सोशल मीडिया पर बिताते हैं, उनकी एकाग्रता का स्तर काफी गिर जाता है। दूसरा बड़ा प्रभाव है तुलना और असुरक्षा की भावना। हम खुद को कमतर समझने लगते हैं, जिससे आत्म-सम्मान घटता है, चिंता बढ़ती है और कई बार डिप्रेशन भी। तीसरा, नींद का बिगड़ना। रात को बेड पर लेटकर स्क्रॉलिंग करने से नीली रोशनी मेलाटोनिन हार्मोन को प्रभावित करती है। चौथा प्रभाव सामाजिक अलगाव है।

स्क्रीन टाइम कम करने के 8 व्यावहारिक उपाय

1. **समय की सीमा तय करें :** फोन के सेटिंग्स में स्क्रीन टाइम फीचर चालू करें। रोज 1-2 घंटे से ज्यादा न इस्तेमाल करने का लक्ष्य रखें। ऐप जैसे फ्रीडम, आफटाइम इस्तेमाल करें जो फोन को लॉक कर देते हैं।
2. **नोटिफिकेशन्स बंद रखें :** हर 5 मिनट में आने वाले नोटिफिकेशन हमें बार-बार खींचते हैं। सिर्फ जरूरी ऐप्स (जैसे व्हाट्सएप) का नोटिफिकेशन ऑन रखें, बाकी सब साइलेंट मोड पर।
3. **डिजिटल डिटॉक्स का अभ्यास :** हफ्ते में एक दिन "नो-स्क्रीन डे" रखें। सुबह से शाम तक सिर्फ कॉल और मैसेज चेक करें, रील्स या फीड न देखें। शुरू में मुश्किल लगेगा, लेकिन बाद में मन शांत महसूस होगा।
4. **फोन को बेडरूम से बाहर रखें :** सोने से एक घंटा पहले फोन बंद कर दें। उसकी जगह किताब पढ़ें या जर्नल लिखें। नींद बेहतर आएगी।
5. **ऑफलाइन शौक विकसित करें :** जिम जाना, क्रिकेट खेलना, पेंटिंग करना, किताब पढ़ना या गार्डनिंग, ऐसे काम चुनें जो आपको खुशी दें। जब मन भरेगा, सोशल मीडिया की याद ही नहीं आएगी।
6. **ग्रेस्केल मोड ऑन करें :** फोन के कलर को ब्लैक-एंड-व्हाइट कर दें। रंगीन रील्स कम आकर्षक लगेंगी और इस्तेमाल अपने आप कम हो जाएगा।

लघु कथा

पहली जीत

वीना सिंह
कहानीकार

राधिका शहर के बड़े कॉलेज में पढ़ने आई थी। अपने छोटे से कस्बे से पहली बार बाहर निकली थीए सो जिम्मेदारियों का बोझ भी साथ था और डर भी। पढ़ाई में तेज थीए साथ ही मन से पूरी तरह ईमानदार भी द्य लेकिन हॉस्टल की लड़कियों को उसका आत्मविश्वास चुभता था।

क्लास में प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन होने वाला था। सहेलियों ने तय कर लिया कि राधिका को बोलने का मौका न दिया जाए। श्ज़्यादा अकड़ दिखाती हैए देखो आज चुप कैसे रहती हैएश् वे हंस पड़ीं। राधिका को उनके गलत इरादों की भनक लग गई थीए फिर भी उसने बड़ी मेहनत से स्लाइड्स तैयार की द्य मन बैठ रहा थाकृक्या वाकई में वे सब उसे बोलने नहीं देंगीं। प्रेजेंटेशन शुरू हुआ। टीम के बाकी सदस्य बारी.बारी से बोले और जानबूझकर राधिका का नाम टालते रहे। जब अध्यापक ने पूछाए श्और तुम्हारा निष्कर्ष कौन रखेगाश्ष तभी चुपचाप बैठी राधिका खड़ी हो गई।उसकी आवाज़ कांप रही थीए पर आंखों में नमी थीए लेकिन मन में दृढ़ता थी। उसने बिना स्लाइड देखेए पूरे प्रोजेक्ट का सार इतनी स्पष्टता से रखा कि सब चकित रह गए। अध्यापक ने वहीं घोषणा कर दीकृश्प्रोजेक्ट का सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतिकरण राधिका का था। राधिका सीट पर लौटी तो तालियाँ गूंज उठीं। सहेलियों की आँखें झुकी रह गईं। उसने गहरी सांस ली और फिर कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा।

साधकों ने मन, शरीर और आत्मा की गहराई में जाकर गहन शांति का अनुभव किया

ब्रह्मनाद ध्यान से साधकों को अंतर्मन की ध्वनि और आत्मिक शक्ति का साक्षात्कार करवाया

हिसार। साधना केंद्र में ध्यान साधना कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे साधक।

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

समर्थगुरु धारा संघ के तत्वावधान में रविवार को आयोजित संडे ध्यान कार्यक्रम में आचार्य गगन के सानिध्य में ब्रह्मनाद ध्यान करवाया गया। कार्यक्रम में अनेक साधकों ने भाग लिया और गहन शांति व आत्मिक अनुभूति का अनुभव किया। ध्यान सत्र के दौरान साधकों ने मन, शरीर और आत्मा की गहराई में जाकर गहन शांति, ऊर्जा और आत्मिक जुड़ाव का अनुभव किया। ब्रह्मनाद ध्यान से साधकों को अंतर्मन की ध्वनि और आत्मिक शक्ति का साक्षात्कार कराया गया। कार्यक्रम के समय ध्यान स्थल पर अनुशासन, मौन और सकारात्मक ऊर्जा का विशेष वातावरण देखने को मिला।

ध्यान स्थल पर अनुशासन, मौन और सकारात्मक ऊर्जा का विशेष वातावरण देखने को मिला

साधकों ने ध्यान के उपरांत मानसिक हल्कापन, शांति और एकाग्रता में वृद्धि का अनुभव सांझा किया। कई प्रतिभागियों ने इसे दैनिक जीवन में संतुलन और सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला बताया। आचार्य ने बताया कि ध्यान के प्रकार और तकनीकें विभिन्न हो सकती हैं और यह आध्यात्मिक गुरु या आध्यात्मिक शिक्षक के मार्गदर्शन में किया जाता है। ध्यान के बाद कार्यक्रम के समापन पर समर्थगुरु धारा संघ हिसार की टीम समर्थगुरु की बैठक हुई जिसमें संघ के विस्तार से लेकर लोगों को ध्यान से जुड़ने का आह्वान किया।

ब्रह्मनाद ध्यान से सकारात्मक ऊर्जा का संचार

आचार्य गगन ने साधकों को बताया कि ब्रह्मनाद ध्यान से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और साधक अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। आचार्य ने बताया कि ध्यान के प्रकार और तकनीकें विभिन्न हो सकती हैं और यह आध्यात्मिक गुरु या आध्यात्मिक शिक्षक के मार्गदर्शन में किया जाता है।

ओशो ध्यान उपवन में साधकों ने किया मेडिटेशन, सीखीं ध्यान विधियां

- ध्यान करने से अवसाद व चिंता से मुक्ति मिलती है और एकाग्रता व सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। स्थित ओशो ध्यान उपवन में मेडिटेशन करते साधक। फोटो: हरिभूमि

ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने हिस्सा लेकर मेडिटेशन किया और ध्यान विधियां सीखी। इस दौरान ध्यान विधियों का अभ्यास भी करवाया गया। ध्यान सत्र के आयोजक स्वामी संजय व मां सांची ने बताया कि सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में नियमित रूप से ध्यान सत्र व ध्यान शिविर आयोजित किए जाते हैं। स्वामी संजय ने मेडिटेशन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए साधकों को ध्यान को जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ध्यान करने से अवसाद व चिंता से मुक्ति मिलती है और एकाग्रता व सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है। उन्होंने समझाया है कि देखा जाए तो ध्यान मानसिक शांति, तनाव मुक्ति और आत्म जागरूकता का प्रभावशाली साधन है। नियमित रूप से ध्यान करने से इंसान न केवल स्वस्थ रहता है बल्कि उसकी रचनात्मक निर्णय लेने की क्षमता में भी वृद्धि होती है।

ध्यान मन से मुक्त होने की सहज अवस्था

ध्यान सत्र के दौरान साधकों को सतगुरु ओशो की देशनाओं से भी रूबरू करवाया गया। इसके साथ ही साधकों को ओशो के संचित प्रवचन सुनने का भी अवसर मिला। ओशो के अनुसार ध्यान मन से मुक्त होकर साक्षी बनने की सहज अवस्था है। उनके अनुसार ध्यान मानसिक शांति, ऊर्जा के पुनर्संतुलन और स्वयं के अस्तित्व का अनुभव करने का विज्ञान है। ओशो ने आधुनिक जीवन के लिए सक्रिय ध्यान विधियां भी विकसित की। ओशो ने समझाया है कि ध्यान का अर्थ विचारों को रोके बिना, बस एक साक्षी की तरह उन्हें देखना है। केवल बैठना ध्यान नहीं है बल्कि होशपूर्वक जीना, प्रेम करना और जो भी कर रहे हैं उसमें सजग रहना ही ध्यान है।

हिसार। काव्य गोष्ठी में उपस्थित कविगण। फोटो: हरिभूमि

वक्त का पहिया चलता जाता नई कहानियां हमें सुनाता..

- महिला काव्य मंच की मासिक काव्य गोष्ठी में कवियों ने मोहा श्रोताओं का मन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

महिला काव्य मंच हिसार इकाई की ओर से मासिक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। काव्य गोष्ठी में महिला काव्य मंच की महासचिव सीमा शर्मा मुख्य अतिथि रही। काव्य गोष्ठी में वरिष्ठ साहित्यकार पीपी शर्मा और नीरज कुमार मनचंदा विशिष्ट अतिथि रहे जबकि अध्यक्षता एवं मंच संचालन इकाई की अध्यक्ष पूनम मनचंदा ने की। मां शारदे के वंदन के उपरांत युवा कवयित्री रिया नागपाल ने अपनी रचना 'वक्त का पहिया चलता जाता, नई कहानियां हमें सुनाता, कल जो बच्चा था आंगन में, आज वो बड़ा नज़र है आता' सुनाकर सभी की प्रशंसा पायी। कवयित्री शिल्पा खन्ना ने अपनी कविता 'मुझे इंतज़ार करना पसंद नहीं है, और किसी मोड़ पर ठहर जाऊं, ऐसी मेरी फ़ितरत भी नहीं है' को सभी के द्वारा सराहा गया। कवयित्री नम्रता गोयल ने अपनी रचना 'मेरी जिंदगी में आओ तो आना कुछ इस तरह कि बारिश के मौसम में, आता है इंद्रधनुष जिस तरह' सुनाकर मन मोह लिया।

लूटी वाहवाही

कवयित्री डिम्पल सुंडा ने रचना 'अंजान बनी मै ज़िन्दिगी से लम्हे चुरा रखती रही अलमारी में सहेज कर, सोचा जब लगेगी फ़ुरसत तो कुछ लम्हें ख़ुद पर खर्च करूंगी' सुनाकर सभी का दिल जीत लिया। दविना अमर ठकराल ने अपनी अध्यात्म से जुड़ी अपनी रचना 'कितना भागेगें हम स्वयं से, जब साक्षी भी हम, प्रश्न भी हम ही हैं' प्रस्तुत कर सभी वाहवाही पाई। ख़ुशबू जैन ने अपनी कविता 'कभी ये दिखते दुश्मन तो कब गठबंधन का मेल, सब मतलब का खेल, यारो सब मतलब का खेल, राजनीति इक खेल यारो राजनीति इक खेल' सुनाकर सभी की तालियां पायी। पीपी शर्मा की रचना 'साहित्य ज्ञान का सागर है, है इसकी उल्टी धार, जो डूब गया इस सागर में, गया भव सागर से पार' को मुक्त कंठ से सराहा गया। नीरज कुमार मनचंदा ने अपनी ग़ज़ल 'ज़ख्म मैंने दिखाया किसी को भी जब, दर्द की मेरे तब ही नुमाइश हुई' सुनाकर खूब समां बांधा। मंच की सचिव उषा ठकराल ने अपनी रचना 'कल मैंने एक सपना देखा, सपनों में एक अपना आते देखा, अपना तो था मगर कुछ बेगाना सा' सुनाकर सभी की तारीफ़ पायी। कवयित्री सीमा शर्मा ने अपनी रचना 'क्या है जीवन तुम्हें बता दूं इतना मुझमें ज्ञान नहीं, सुख दुख के इस मेले में जीना भी आसान नहीं' सुना गोष्ठी को उत्कर्ष पर पहुंचा दिया।

जीवन सुधारने का सशक्त माध्यम सत्संग

- बाबा बालक नाथ एवं दुर्गा माता मंदिर में भव्य सत्संग एवं भंडारे का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

तरसेम नगर स्थित बाबा बालक नाथ एवं दुर्गा माता मंदिर में जेठा रविवार के पावन अवसर पर भव्य सत्संग एवं भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर जय बाबा बालक नाथ के जयकारों से गूंज उठा। सत्संग के दौरान श्रद्धालु बाबा बालक नाथ जी के भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे। इस अवसर पर मंदिर के मुख्य सेवक रामचरण गुप्ता ने कहा कि सत्संग केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन को सुधारने और आत्मा को जागृत करने का सबसे सशक्त माध्यम है।

हिसार। मंदिर में प्रवचन करते मुख्य सेवक रामचरण गुप्ता। फोटो: हरिभूमि

भौतिक सुखों की दौड़ में आध्यात्मिक जड़ भूले

आज हम भौतिक सुखों की दौड़ में अपनी आध्यात्मिक जड़ों को भूलते जा रहे हैं लेकिन सत्संग हमें वास्तविक स्वरूप से परिचित कराता है। उन्होंने कहा कि प्रभु का सिमरन मन की अशांति को दूर कर आत्मिक शांति प्रदान करता है और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाता है। उन्होंने कहा कि सत्संग हमें यह सिखाता है कि जीवन में सेवा, त्याग, प्रेम और सहनशीलता का कितना महत्व है। जब व्यक्ति सच्चे मन से प्रभु का स्मरण करता है और सत्संग के मार्ग पर चलता है, तो उसके जीवन की हर बाधा स्वतः ही दूर होने लगती है। कार्यक्रम के अंत में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

सरकार ने शिक्षा व चिकित्सा देने में हाथ खड़े किए : संपत

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

संपत सिंह।

इनेलो के राष्ट्रीय संयोजक एवं पूर्व मंत्री प्रो. संपत सिंह ने आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों से सरकार ने शिक्षा और चिकित्सा देने में हाथ खड़े कर दिए हैं और इन्हें निजी हाथों में सौंपा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल दिखावटी विस्तार कर रही है, जबकि जमीनी सच्चाई पूरी तरह खोखली है। संपत सिंह ने कहा कि वर्ष 2004 में प्रदेश में 66 कॉलेज और पांच विश्वविद्यालय थे, जो बढ़ाकर क्रमशः 186 व 23 कर दिए गए हैं। इसी तरह अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों की संख्या भी बढ़ाई जा रही है लेकिन यह विस्तार केवल कागजों तक सीमित है क्योंकि न तो शिक्षकों की नियुक्ति हो रही है और न ही डॉक्टरों की। नतीजा यह है कि पढ़ाने के लिए प्राध्यापक नहीं और इलाज के लिए डॉक्टर नहीं हैं। दवाइयों और उपकरणों की भारी कमी है, और कई नए कॉलेज प्राथमिक स्कूलों में चलाए जा रहे हैं। प्रो. संपत सिंह ने कहा कि प्राध्यापकों, प्रोफेसरों और डॉक्टरों के 50 प्रतिशत से अधिक पद खाली पड़े हैं। सभी स्कूल, कॉलेज, विवि और अस्पताल वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं, यहां तक कि सरकारी विवि को अनुदान की जगह कर्ज दिया जा रहा है।

विद्यार्थियों का दसवीं में प्रशंसनीय प्रदर्शन

- 12 विद्यार्थी 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने में कामयाब हुए

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

जैन महावीर चैरिटेबल फ्री स्टडी सेंटर के विद्यार्थियों ने सीबीएसई दसवीं में बेहतरीन प्रदर्शन करके सभी का दिल जीत लिया है। दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों में से 12 विद्यार्थी 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने में कामयाब हुए हैं। 20 विद्यार्थियों को 85 प्रतिशत से अधिक और 28 विद्यार्थियों को 80 प्रतिशत से अधिक अंक मिले हैं। 100 प्रतिशत परिणाम के साथ जेएमसी फ्री स्टडी के परिणाम की हर कोई सराहना कर रहा है। बालसमंद रोड पर भामाशाह नगर में स्थापित जेएमसी फ्री स्टडी सेंटर में निशुल्क पढ़ाया जाता है। यहां अनुभवी व प्रशिक्षित शिक्षकों से पढ़ाई करके नैंसी महता ने 97.4 प्रतिशत, शिवम ने 94.4 प्रतिशत, अन्वी ने 94.2 प्रतिशत, मिनल ने 93.8 प्रतिशत, सार्थक ने 93.2 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। इसी भांति एंजल ने 93 प्रतिशत, रूद्र, अभिनव व पलक ने 90.8 प्रतिशत, कार्तिक ने 90.6 प्रतिशत, अक्षत ने 90.4 प्रतिशत और प्रतीक ने 90.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। बिमल सरोज चैरिटेबल सोसायटी के ट्रस्टी राजेंद्र प्रसाद जैन ने बताया कि सरकारी विद्यालयों में लाइब्रेरी की स्थापना, शेड का निर्माण, टॉयलेट का निर्माण व वाटर कूलर की स्थापना में भी जेएमसी फ्री स्टडी सेंटर का विशेष योगदान है। इसके साथ-साथ विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों को निशुल्क रजिस्टर व स्टेशनरी सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाती है। जैन महावीर चैरिटेबल स्टडी सेंटर की निदेशक मनीषा जैन ने बताया कि जेएमसी फ्री स्टडी सेंटर बिमल सरोज चैरिटेबल सोसायटी के माध्यम से निशुल्क शिक्षा व शिक्षण संबंधी संसाधन उपलब्ध करवाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

जेएमसी फ्री स्टडी सेंटर के टॉपर विद्यार्थी।

स्टार्टअप हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

चार्टर्ड अकाउंटेंट की संस्था एनआईआरसी हिसार ब्रांच की ओर से भारत निर्माण पर आधारित सेमिनार का आयोजन सेक्टर 16-17 के इंस्टीट्यूशनल एरिया में स्थित आईसीएआई भवन में किया गया। इस सेमिनार में सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम और स्टार्टअप किस तरह भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। बिल्डिंग भारत : एमएसएमई एंड स्टार्टअप एज इंजन ऑफ इकनोमिक ट्रांसफॉरमेशन सेमिनार में सीए कुनाल कथूरिया व सीए मनोज लांबा मुख्य वक्ता रहे। इस दौरान एनआईआरसी हिसार ब्रांच के चेयरमैन सीए अजय गोयल ने वक्ताओं का स्वागत करते हुए सेमिनार की आधारभूत जानकारी प्रदान की।

हिसार। सेमिनार के उपस्थित मुख्य वक्ता, एनआईआरसी हिसार ब्रांच के चेयरमैन सीए अजय गोयल व अन्य पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

लोगों को पहली बार मिला स्व-गणना का अवसर

- 30 तक घर बैठे पोर्टल पर करें जानकारी अपलोड : एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

एसडी महिला महाविद्यालय में जनगणना जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एसडीएम राजेश खोथ ने बतौर मुख्य वक्ता शिरकत की, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेश कुमार गुप्ता ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीएम राजेश खोथ ने कहा देश में सुरभि जनगणना हो रही है। आजादी के बाद यह आठवीं जनगणना है। इस बार जनगणना में नागरिकों को पहली बार स्व-गणना का अवसर प्रदान किया गया है।

हांसी। स्व गणना जागरुकता समारोह में पोस्टर जारी करते एसडीएम राजेश खोथ व अन्य। फोटो: हरिभूमि

उन्होंने बताया कि नागरिक 30 अप्रैल तक घर बैठे जनगणना पोर्टल के माध्यम से अपनी घरेलू जानकारी स्वयं अपलोड कर सकते हैं, जिससे प्रक्रिया अधिक सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक हो गई है। उन्होंने जनगणना की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जनगणना दो चरणों में संपन्न होगी। पहले चरण में घर सूचीकरण एवं आवासीय गणना का कार्य किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक घर की स्थिति, सुविधाएं और मूलभूत जानकारियां एकत्रित की जाएंगी। इसके बाद दूसरे चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति से संबंधित विस्तृत जानकारी एकत्रित की जाएगी। एसडीएम ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार घरों की गणना का कार्य पहले चरण में किया जाएगा, जबकि इसके पश्चात जनसंख्या गणना का कार्य शुरू होगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा इन दोनों चरणों को व्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से पूरा करने के लिए सभी तैयारियां की जा चुकी हैं। उन्होंने छात्राओं को जनगणना के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े देश एवं प्रदेश की नीतियों और विकास योजनाओं के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में हुआ शिक्षक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम

हांसी। यदुवंशी शिक्षा निकेतन में रविवार को शिक्षक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रशिक्षक रानी लक्ष्मीबाई त्रिलोक चन्द स्कूल भिवानी रोहिल्ला के उप-प्रधानाचार्य प्रेम प्रजापति व आनन्द स्कूल फॉर एक्सीलेंस मिलकपुर की डॉ कनिका के नेतृत्व में आयोजित किया गया इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों से आये लगभग 60 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। विदित रहे कि सीबीएसई की नई शिक्षा नीति की अनुपालना करते हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन शिक्षकों में विभिन्न कौशलों और क्षमताओं का विकास व शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति करना था। प्रशिक्षण शिविर में शिक्षकों ने डॉ प्रेम प्रजापति और डॉ कनिका के कुशल प्रशिक्षण को अत्यंत प्रभावशाली बताया।

परेशानी बुस्टिंग स्टेशन की टूटी दीवार, वॉटर टैंक का टूटा ढक्कन

मौके का निरीक्षण करके इन समस्याओं का करवा दिया जाएगा समाधान : विजय पाल

मतलोढा के ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन अव्यवस्था पर जताई नाराजगी

- बुस्टिंग स्टेशन के अंदर कोई भी स्ट्रीट लाइट नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭बरवाला

निकटवर्ती गांव मतलोढा में स्थित बुस्टिंग स्टेशन की हालत बद से बदतर होने के चलते गांव मतलोढा के ग्रामीणों को अनेक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके चलते गुस्साए ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करके रोष व्यक्त किया। गांव मतलोढा के ग्रामीणों दीपक शर्मा, भूरा राम, पुरुषोत्तम भारद्वाज, गंगा राम, शिवकुमार, रोहतास, राजबीर, रामकुमार, रमेश, प्रताप, अनिल शर्मा, संदीप व कुलदीप आदि ने बताया कि इस बुस्टिंग स्टेशन की दीवारों के पास कोई मिट्टी वगैरह नहीं डाली गई है। इस बुस्टिंग स्टेशन की दीवारें धीरे-धीरे टूट कर कभी भी धराशायी हो सकती है। इस बुस्टिंग स्टेशन में सफाई की कोई व्यवस्था नहीं है और ना ही इस बुस्टिंग स्टेशन के अंदर मिट्टी की भरत की गई है। बुस्टिंग स्टेशन के वाटर टैंक की आज तक कोई सफाई नहीं की गई है वहीं वाटर टैंक का ढक्कन भी टूटा पड़ा हैं जिसके चलते ग्रामीणों को दूषित पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

बरवाला। मतलोढा के ग्रामीण बुस्टिंग स्टेशन के समक्ष प्रदर्शन करते हुए।

क्या कहते हैं एसडीओ

जब इस बारे जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के एसडीओ विजय पाल से बात की गई तो उन्होंने कहा कि मौके का निरीक्षण करके इन समस्याओं का समाधान करवा दिया जाएगा।

क्या कहते हैं सरपंच

जब इस बारे गांव के सरपंच प्रतिनिधि जगबीर पूनिया से बात की गई तो उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के फोटो और वीडियो वगैरह संबंधित अधिकारियों के पास डाल रखे हैं। इन अधिकारियों ने इन समस्याओं का समाधान करवाएं जाने का आश्वासन दिया हुआ है।

मंडी कार्यालयों का आज घेराव

हिसार। बैठक में उपस्थित किसान नेता व कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

संयुक्त किसान मोर्चा, हरियाणा के आह्वान पर मोर्चा 20 अप्रैल को सभी मंडी कार्यालयों का घेराव करेगा। इस दौरान प्रदेश में सभी मार्केट कमेटी कार्यालयों का घेराव करते हुए तीन घंटे के धरने दिए जाएंगे। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता सरदानंद राजली ने बताया कि यह आंदोलन सरकार द्वारा मंडियों में फसल बिक्री के लिए जबरदस्ती लागू किए जा रहे किसान विरोधी नियमों के खिलाफ किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की मंशा किसानों को सुविधाएं देने की नहीं, बल्कि उन्हें परेशान करने और धीरे-धीरे मंडी व्यवस्था को खत्म करने की है। ऑनलाइन पोर्टल और बायोमेट्रिक प्रणाली के नाम पर किसानों को अनावश्यक तकनीकी बाधाओं में फंसाया जा रहा है, जिससे छोटे और सीमांत किसान सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे।

हांसी बैठक में लिया गया फैसला

इस संबंध में हांसी जाट धर्मशाला में हुई संयुक्त किसान मोर्चा हरियाणा की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से रणबीर मलिक, सुरेश कोथ, विकास सीसर, हरजिंदर नानूआना सहित अनेक किसान पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत भगाना
ब्लॉक हिसार-1 जिला हिसार
सार्वजनिक सूचना
प्रमाणित किया जाता है कि ग्राम पंचायत भगाना में सुल्ताना तालाब (GEN), खड्डे तालाब (SC), गुहला तालाब (GEN), कुन्डी तालाब (SC) को मछली पालन हेतु 8 वर्षों के लिए पट्टेदार खुली बोली दिनांक 05.05.2026 को सुबह 09:00 बजे S.C. चौपाल में की जाएगी। जिसकी सिक्योरिटी राशि मु. 1,00,000/- प्रत्येक जोहड़ के लिए जमा करवानी होगी। बाकी शर्तें मौके पर बताई जाएगी।
हस्ता/-सरपंच
ग्राम पंचायत भगाना

खबर संक्षेप

पुरुषोत्तम एक्सप्रेस के विस्तार के लिए पत्र भेजा

हिसार। पंजाबी वेलफेयर सोसायटी ने विधायक सावित्री जिंदल की मार्फत केंद्रीय रेल मंत्री को पत्र लिखकर रेलगाड़ी संख्या 12801/12802 पुरुषोत्तम एक्सप्रेस का हिसार तक विस्तार करवाने की मांग की है। सोसायटी की ओर से भेजे गए पत्र में महासचिव राकेश चोपड़ा ने कहा है कि वर्तमान में उक्त गाड़ी जगन्नाथ पुरी से आनंद विहार टर्मिनल तक संचालित होती है, जहां यह गाड़ी प्रातः 3:50 बजे पहुंचती है तथा अगले दिन रात्रि 22:45 बजे पुनः प्रस्थान करती है। इस प्रकार लगभग 19 घंटे तक गाड़ी वहां रुकती है। पत्र में कहा गया है कि यह गाड़ी प्रयागराज, विध्यांचल, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, गयाजी, पावापुरी, पारसनाथ भुवनेश्वर एवं जगन्नाथ पुरी जैसे देश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को जोड़ती है। उक्त गाड़ी हरियाणा के हिसार से लेकर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, बंगाल एवं उड़ीसा को जोड़ती है। इसका हिसार तक विस्तार होने से पूरे क्षेत्र के श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को सीधी रेल सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

हिसार और हांसी के एसपी ने सुरक्षा के मद्देनजर जारी की एडवाइजरी

सतर्क रहें, इंटरनेट पर आपकी छोटी सी चूक के इंतजार में बैठे हैं साइबर अपराधी : जैन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि वर्तमान तकनीकी युग में मनुष्य का जीवन मोबाइल फोन, लैपटॉप और कंप्यूटर जैसे डिजिटल उपकरणों पर काफी हद तक निर्भर हो गया है। ये सभी उपकरण इंटरनेट से जुड़े होने के कारण लोगों के दैनिक कार्यों को आसान बना रहे हैं। आज व्यक्ति बैंकिंग कार्य, ऑनलाइन ऑफिस का काम, नेट बैंकिंग, सोशल मीडिया और व्यापार से जुड़े कई कार्य घर बैठे ही आसानी से कर लेता है। उन्होंने बताया कि जहां इंटरनेट ने जीवन को सरल बनाया है, वहीं इसके बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधों का खतरा भी तेजी से बढ़ा है। कई बार लोग अनजाने में छोटी-छोटी गलतियां कर बैठते हैं, जिनका फायदा उठाने के लिए साइबर अपराधी पहले से ही तैयार बैठे रहते हैं। मौका मिलते ही ये अपराधी शातिर तरीके से लोगों को मानसिक और आर्थिक रूप से भारी नुकसान पहुंचाते हैं।

सिद्धांत जैन ने सुझाव दिया कि सोशल मीडिया खातों पर मजबूत और सुरक्षित पासवर्ड का उपयोग करना चाहिए। किसी भी अंजान व्यक्ति से सोशल मीडिया पर संपर्क नहीं करना चाहिए और न ही किसी अनजान लिंक पर क्लिक करना चाहिए। इसके अलावा अज्ञात नंबरों से आने वाली कॉल या वीडियो कॉल का जवाब देने से बचना चाहिए और किसी अनजान व्यक्ति की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार नहीं करनी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से आगाह किया कि यदि कोई व्यक्ति स्वयं को बैंक अधिकारी या प्रतिनिधि बताकर आपकी निजी जानकारी जैसे बैंक खाता नंबर, डेबिट/क्रेडिट कार्ड नंबर, एक्सपायरी डेट, सीवीवी, ओटीपी, आधार या पैन नंबर मांगता है, तो ऐसी जानकारी बिल्कुल भी साझा नहीं करनी चाहिए। यदि किसी के साथ ऑनलाइन ठगी हो जाती है तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें और साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाएं।

धार्मिक यात्रा की बुकिंग के नाम पर हो रही ठगी

हांसी। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने धार्मिक यात्राओं की तैयारी कर रहे श्रद्धालुओं को ऑनलाइन बुकिंग के नाम पर हो रही साइबर ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी लोगों की आस्था और जल्दबाजी का फायदा उठाकर उन्हें ठगी का शिकार बना रहे हैं। पुलिस अधीक्षीक विनोद कुमार ने बताया कि यात्रा सीजन के दौरान फर्जी वेबसाइट, सोशल मीडिया पेज और व्हाट्सएप नंबरों के माध्यम से होटल, हेलीकॉप्टर व टूर पैकेज की सस्ती बुकिंग के नाम पर लोगों को लुभाया जाता है। और ठग आकर्षक ऑफर देकर पहले एडवांस पेमेंट करवाते हैं, लेकिन बाद में न तो कोई बुकिंग मिलती है और न ही पैसे वापस किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि कई मामलों में ये फर्जी लिंक के माध्यम से लोगों की निजी जानकारी जैसे बैंक डिटेल, ओटीपी आदि भी हासिल कर लेते हैं, जिससे आर्थिक नुकसान और बढ़ जाता है। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की कि वे केवल अधिकृत एवं विश्वसनीय वेबसाइट या ऐप से ही बुकिंग करें, किसी अनजान लिंक या कॉल पर भरोसा न करें, एडवांस पेमेंट करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल अवश्य करें, ओटीपी, बैंक डिटेल या निजी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या ठगी की स्थिति में तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी पुलिस स्टेशन में संपर्क करें।

खबर संक्षेप

जन समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए : रणधीर पनिहार

हिसार। नलवा विधानसभा क्षेत्र के विधायक रणधीर पनिहार ने रविवार को गांव हिंदवान, आर्य नगर, गुंजार, नलवा और बाड़ंया ब्राह्मणान का दौरा कर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने गांवों में चल रही तथा प्रस्तावित विकास परियोजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की और स्थानीय लोगों की समस्याएं भी सुनीं। विधायक ने अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि जन समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने विकास कार्यों में तेजी लाने और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए। दौरे के दौरान विधायक रणधीर पनिहार ने गांव बाड़ंया ब्राह्मणान में लगभग पांच लाख रुपये की लागत से बनने वाले खेल स्थल की नींव रखी। यह राशि उन्होंने अपनी विधायक ग्रांट से उपलब्ध करवाई है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपने निजी कोष से भी कबड्डी, कुश्ती के लिए आवश्यक सामान उपलब्ध करवाने के लिए चार लाख रुपये की अतिरिक्त राशि देने की घोषणा की।

बिजली निगम की दीवार को पेंट कर दिया आकर्षक रूप

हिसार। शहर को सुंदर, स्वच्छ एवं आकर्षक बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत 'हमारा प्यार–हिसार' की टीम ने राजगढ़ रोड पर स्थित बिजली विभाग की बाहरी दीवार को पेंट कर उस पर आकर्षक कलाकृतियां उकेरीं। टीम के सदस्यों ने अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हुए दीवार को एक सुंदर और प्रेरणादायक स्वरूप प्रदान किया, जिससे आसपास के क्षेत्र की सौंदर्यता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इस पहल के माध्यम से टीम ने शहरवासियों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक स्थानों की देखभाल के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी दिया। स्थानीय लोगों ने इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे शहर के लिए प्रेरणादायक कदम बताया। अभियान में सुशील खरींटा, डॉ. सुरेंद्र गर्ग, हरीश चंद्र, राजेंद्र गहलोत, मनीष गोयल, दिनेश बंसल, जितेन्द्र बंसल, मंजू पूनिया, मधु गोयल, सुमन ऐरेन, एलिना मेहता, गगन मेहता, रश्मि मेहता, पराग बंसल, मनदीप पुनिया, राजेश गर्ग, लक्ष्य, अनिल कुमार, तन्वी, सोहम, शशि कुमार, भूपेश गोयल, माधुरी गोयल, अभिमन्यु, जैस्मिन, राजन वर्मा, भाविका व रमेश पूनिया ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 'हमारा प्यार–हिसार' टीम ने भविष्य में भी ऐसे रचनात्मक अभियानों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

हिसार के आरटीए पर पक्षपात व निजी ऑपरेटरों को लाभ पहुंचाने का आरोप

- सरोडवेज सांझा संघर्ष समिति ने की नई समय सारिणी रद्द करने की मांग, रद्द न होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा रोडवेज सांझा संघर्ष समिति ने हिसार आरटीए कार्यालय की ओर से जारी की गई समय सारिणी को रद्द करने की मांग की है। समिति ने चेताया है कि यदि समय सारिणी रद्द नहीं की गई तो रोडवेज सांझा संघर्ष समिति आंदोलन से गुरेज नहीं करेगी।

इस संबंध में हरियाणा रोडवेज, हिसार डिपो की सांझा संघर्ष समिति की ओर से रोडवेज कार्यशाला में अहम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में हिसार के आरटीए द्वारा हिसार-दिल्ली मार्ग पर निजी बस ऑपरेटरों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, रोहतक, झज्जर एवं गुरुग्राम डिपो के महाप्रबंधकों को बिना जानकारी दिए जारी की गई नई समय सारणी पर गहरा रोष व्यक्त किया गया। सांझा संघर्ष समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों ने एकमत होकर कहा कि यह समय सारणी पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण है, जिससे सरकारी बसों के संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और विभाग को राजस्व की हानि होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह निर्णय निजी बस ऑपरेटरों को अनुचित लाभ देने के लिए लिया गया है। बैठक में सभी रोडवेज नेताओं व कर्मचारियों ने आरटीएम कार्यालय के इस गैर जिम्मेदाराना रवैए पर गहरा रोष प्रकट करते हुए निर्णय लिया लिया कि आरटीए कार्यालय द्वारा जारी इस पक्षपातपूर्ण समय सारणी को तुरंत रद्द करते हुए राज्य परिवहन के हितों को मध्यनजर रखते हुए नई समय सारणी जारी की जाए। यही नहीं, नई समय सारिणी जारी करते समय सभी डिपुओ जिनमें हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, रोहतक, झज्जर व गुरुग्राम के महाप्रबंधकों को भी शामिल किया जाए। सांझा संघर्ष समिति ने ऐलान किया इस दमनकारी नीति के खिलाफ संघर्ष पुरजोर जारी रहेगा। यदि प्रशासन द्वारा शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो सांझा संघर्ष समिति द्वारा आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। समिति ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि इस समय सारणी को तुरंत निरस्त किया जाए तथा भविष्य में इस प्रकार के निर्णय लेने से पहले संबंधित डिपो के महाप्रबंधकों एवं कर्मचारियों से विचार-विमर्श किया जाए।

समाज की सहभागिता और समर्पण से साकार हुआ बेटियों के शिक्षा-सशक्तिकरण का स्वप्न

- सेक्टर-33 में गुरु रविदास कन्या छात्रावास का मंडलायुक्त गीता भारती ने किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। गुरु रविदास कन्या छात्रावास का उद्घाटन करते मंडलायुक्त गीता भारती।

सेक्टर-33 स्थित नवनिर्मित गुरु रविदास कन्या छात्रावास की प्रथम मंजिल का उद्घाटन रविवार को मंडलायुक्त गीता भारती ने किया। समारोह की अध्यक्षता लोक निर्माण विभाग के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता बलराज सभरवाल ने की, जबकि महावीर प्रसाद महिपाल व हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. पवन कुमार विशिष्ट उपस्थिति रहे।

इस अवसर पर मंडलायुक्त गीता भारती ने रविदासिया समाज को इस सराहनीय पहल के लिए हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह छात्रावास न केवल छात्राओं को सुरक्षित और सुसज्जित वातावरण प्रदान करेगा, बल्कि उनके सपनों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महासभा हिसार के प्रधान एसपी चालिया ने छात्रावास की सुविधाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यहां छात्राओं के लिए आधुनिक लाइब्रेरी, सुसज्जित कक्ष, भोजनालय सहित समुचित सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध करवाई जाएगी। छात्रावास का संचालन समाज की महिलाएं ही करेंगी, जिससे अनुशासन और संवेदनशीलता का संतुलन बना रहेगा। छात्रावास में कुल 30 कमरों का निर्माण प्रस्तावित है, जिसमें प्रथम तल पर फिलहाल 25 छात्राओं के रहने की व्यवस्था की गई है।

इस अवसर पर उन्होंने भूमि उपलब्ध करवाने में पूर्व मंत्री डा. बनवारी लाल के सहयोग, महावीर प्रसाद के मार्गदर्शन तथा पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया।

सृष्टि फाउंडेशन ने विद्यार्थियों को वितरित की स्टेशनरी

बरवाला। सृष्टि फाउंडेशन निशुल्क शिक्षा केंद्र बरवाला की ओर से भगवान वाल्मीकि मंदिर वार्ड नं 8 बरवाला में संविधान निर्माता डॉ. भीम राव अंबेडकर और राष्ट्रपिता महात्मा ज्योति बा फुले जन्मोत्सव पर निशुल्क स्कूल स्टेशनरी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सृष्टि फाउंडेशन के संचालक सुधीर नूर ने बताया कि सृष्टि फाउंडेशन की तरफ से कई सालों से गरीब ओर जरूरतमंद बच्चों को निशुल्क शिक्षा दी जा रही है और हर साल विद्यार्थियों को स्कूल स्टेशनरी वितरण कार्यक्रम करवाया जाता है। इस आयोजन पर मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त अध्यापक व समाजसेवी मास्टर ईश्वर ने बाबा साहेब ओर महात्मा ज्योतिबा फुले जी की शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए बाबा साहेब के दिखाए रास्ते पर चलने पर जोर दिया। उन्होंने आह्वान किया कि हम सबको शिक्षित बन कर और संगठित होकर संघर्ष करना है।

हिसार। पुस्तक का विमोचन करते सेठ छाजूराम के सुपौत्र अरविंद चौधरी व अन्य अतिथि।

'स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास का अजातशत्रु' का विमोचन

- सेठ छाजू राम के जीवन पर आधारित है पुस्तक

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

जाट एजुकेशन सोसाइटी के तत्वावधान में सेठ छाजू राम (1861-1943): स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास का अजातशत्रु पुस्तक का गरिमामय विमोचन छाजूराम मेमोरियल जाट कॉलेज के सभागार में किया गया। कार्यक्रम में शहर के शिक्षाविदों, इतिहासकारों और साहित्यकारों सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में सेठ छाजू राम के सुपौत्र अरविंद कुमार चौधरी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सेठ छाजू राम का जीवन त्याग, शिक्षा और किसान कल्याण के लिए समर्पित था, इसलिए उन्हें 'अजातशत्रु' कहना पूरी तरह उचित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोसायटी के कोषाध्यक्ष सागर सिवाच ने की। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि सेठ छाजू राम ने अपनी संपत्ति शिक्षा के प्रसार और स्वतंत्रता आंदोलन के समर्थन में लगाई। हिसार में जाट हाई स्कूल की स्थापना और लाहौर के जाट एंग्लो-संस्कृत स्कूल को दिया गया सहयोग इसका उदाहरण है।

विशिष्ट अतिथि प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र कुमार बाजिया ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि यह शोधार्थियों के लिए महत्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथ सिद्ध होगी। लेखक डॉ. एमएम जुनेजा ने बताया कि वर्षों के शोध, दुर्लभ दस्तावेजों और अभिलेखों के आधार पर यह पुस्तक तैयार की गई है। कार्यक्रम में अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे और अतिथियों को पुस्तक की प्रतियां भेंट की गईं। इस अवसर पर जाट कॉलेज के पूर्व प्राचार्य इंदर सिंह लाखलान भी उपस्थित रहे। समारोह में मंच संचालन साहित्यकार डॉ. अश्वनी शांडिल्य ने किया। सभी अतिथियों को पुस्तक की प्रतियां भेंट की गईं।

आदमपुर सरपंच व पंच पद के लिए आवेदन 21 से

आदमपुर। मंडी आदमपुर एवं जवाहर नगर सरपंच व पंच के लिए 21 से 25 अप्रैल तक आवेदन जमा करवाए जा सकेंगे। आवेदन जवाहर नगर सरकारी स्कूल एवं आदमपुर कन्या स्कूल में सुबह 11 से दोपहर तीन बजे तक जमा करवाया जा सकते हैं।

सरपंच पद के लिए सामान्य वर्ग के लिए मैट्रिक पास होना जरूरी है। इसके अलावा अनुसूचित जाति पुरुष वर्ग के लिए आठवीं पास तथा अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए भी आठवीं पास होना जरूरी है। पंच पद के लिए अनुसूचित जाति महिला पांचवी पास होना जरूरी है। इसके अलावा चुनाव लड़ने वालों को मिनी बैंक, कोऑपरेटिव बैंक तथा बिजली विभाग से नो डयूज देना जरूरी है। जिन उम्मीदवारों पर कोई केस दर्ज है, उन्हें तीन-तीन बार समाचार पत्रों में अपने मुकदमों के बारे में जानकारी देनी होगी। तत्पश्चात 27 अप्रैल को आवेदनों की जांच होगी तथा 28 अप्रैल को दोपहर 3 बजे तक नाम वापिस लिए जा सकते हैं। चुनाव चिन्ह 28 अप्रैल को वितरित किए जाएंगे। चुनाव 10 मई को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक होंगे। इसी दिन वोटो की गिनती की जाएगी तथा गिनती के बाद चुनाव परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। फिलहाल उम्मीदवारों ने चुनाव प्रचार व जनसंपर्क शुरू कर दिया है। आवेदनों के बाद ही पता चल पाएगा कि कितने उम्मीदवार मैदान में आते हैं तथा कितने उम्मीदवार नाम वापस लेते हैं, जिसका सभी को बेसब्री से इंतजार है।

दशम पिता ने जात-पात का भेदभाव खत्म कर की थी खालसा की सृजना

हिसार। गुरुद्वारा साहिब में उपस्थित साध संगतों को निहाल करते रागी जत्थे।

हिसार। प्रबंधक कमेटी बाबा जमनीदास पंचायती गुरुद्वारा सेवा समिति की ओर से बैसाखी के पावन पर्व पर खालसा का 327वां सृजना दिवस हर्षोल्लास के साथ पटेल नगर आठ मरला कालोनी में स्थित गुरुद्वारा में मनाया गया। प्रातःकाल 10 बजे गुरुद्वारा साहिब में विधिवत रूप से श्री अखण्ड पाठ साहिब का भोग हुआ। इस मौके पर गुरुद्वारा साहिब के हैड ग्रन्थि सरदार सवर्ण सिंह ने सरबत की भलाई के लिए अरदास की। समागम को लेकर सुंदर दिवान सजाए गए। गुरुघर से जुड़ी बीबियों ने गुरुबाणी के मधुर शब्दों से उपस्थित संगतों को मंत्रमुग्ध किया। इस के अलावा रागी जत्था भाई इंद्रजीत सिंह सिरसा वाले द्वारा रूहानी कीर्तन व सुंदर शब्दों से संगतों को निहाल किया, व 'खालसा' सृजना के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि दशम पिता गुरु गोबिंद सिंह महाराज जी ने 1699 को बैसाखी वाले दिन आनंदपुर साहिब में दूर-दराज से पहुंची संगतों के बीच जात-पात के भेदभाव को समाप्त करते हुए खालसा की सृजना की और कहा था कि जहां यह पंच प्यारे होंगे मैं वहां विराजमान रहूंगा। इसके अलावा संगतों को संदेश दिया कि हमें गुरुबाणी से जुड़ना है और गुरुवाले बनना है ताकि हमारा लोक व परलोक सुखी हो। कमेटी के प्रधान हरमिंद्र सिंह व महासचिव भूपेंद्र पाहवा ने उपस्थित साध संगतों को सृजना दिवस के पावन पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की व बताया कि गुरु गोविंद सिंह महाराज जी ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी। गुरुमत समागम में नगर निगम मेयर प्रवीण पोपली व पार्षद राजेन्द्र बिड़लान मुख्य मेहमान के रूप में उपस्थित रहे।

बाबा साहेब की जयंती के उपलक्ष्य में हुई गोष्ठी

हिसार। डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर पंचनद शोध संस्थान अध्ययन केन्द्र, हिसार द्वारा एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। "राष्ट्र निर्माण में डॉ. आंबेडकर का योगदान" विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विभाग कार्यवाह कृष्ण कुमार मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने जीवनभर सामाजिक भेदभाव सहते हुए भी समाज को समानता और न्याय का संदेश दिया। बचपन की कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने शिक्षा को अपना लक्ष्य बनाकर उच्च शिक्षा प्राप्त की और समाज सुधार का मार्ग चुना। कृष्ण कुमार ने बताया कि बाबा साहेब प्रतिदिन 16-17 घंटे अध्ययन करते थे और विदेशों में शिक्षा प्राप्त कर कई डिग्रियां हासिल कीं। उन्होंने श्रमिकों के लिए 8 घंटे कार्य दिवस, भविष्य निधि, रोजगार कार्यालय जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं शुरू कराने में योगदान दिया। साथ ही महिलाओं के अधिकारों जैसे पैतृक संपत्ति में अधिकार, समान वेतन और मातृत्व अवकाश को भी मजबूत किया। संविधान निर्माण में प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उनका योगदान अतुलनीय रहा। उन्होंने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों पर आधारित लोकतांत्रिक भारत की नींव रखी। कार्यक्रम के अंत में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया।

हरियाणा ग्रेपलिंग कमेटी के नए पदाधिकारी नियुक्त

हिसार। हरियाणा ग्रेपलिंग कमेटी की वार्षिक बैठक गुरुग्राम में हुई। बैठक में महत्वपूर्ण पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। इस अवसर पर रणसिंह पंवार को ग्रेपलिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया। साथ ही रिनु बेनीवाल को महासचिव, हिसार की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में डॉ. विनोद स्वामी को हरियाणा ग्रेपलिंग कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसी के साथ पूरे प्रदेश के सभी जिलों के अध्यक्ष व महासचिवों की जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष रण सिंह पंवार ने बताया कि वे पिछले पांच वर्षों से ग्रेपलिंग खेल से जुड़े हुए हैं। उन्होंने हिसार जिले के साथ-साथ पूरे भारत में इस खेल को बढ़ावा देने के लिए निरंतर सेवाएं दे रही हैं। वे हरियाणा ग्रेपलिंग कमेटी के मीडिया डायरेक्टर के रूप में भी सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। पंवार ने रिनु बेनीवाल को अंतरराष्ट्रीय स्तर की रेफरी बताते हुए कहा कि उन्हें जिला महासचिव बनाए जाने से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा और ग्रेपलिंग खेल में महिला पहलवानों को तैयार करने में मदद मिलेगी। नए राज्य अध्यक्ष डॉ. विनोद स्वामी ने कहा कि वे जल्द ही सभी जिलों में कमेटियों का गठन करवाएंगे। उन्होंने वादा किया कि ग्रेपलिंग खेल को वह सम्मान दिलाया जाएगा जो अन्य लोकप्रिय खेलों को मिलता है। खिलाड़ियों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए वे हरियाणा के खेल मंत्री तथा माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से शीघ्र ही बैठक करेंगे।

छाजूराम मेमोरियल जाट कॉलेज में व्याख्यान सत्र

हिसार। छाजूराम मेमोरियल जाट कॉलेज की इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल के तत्वावधान में न्यू नेशनल एक्रेडिटेशन सिस्टम विषय पर एक व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस से वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. करम पाल नरवाल ने मुख्य वक्ता के तौर पर शिरकत की। कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर सुरेन्द्र कुमार बाजिया ने मुख्य वक्ता का विधिवत स्वागत किया। डॉ. नरवाल ने नई राष्ट्रीय प्रत्यायन प्रणाली के बदलते मानकों, मूल्यांकन प्रक्रिया एवं उच्च शिक्षण संस्थानों पर इसके प्रभाव को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि नई प्रणाली में गुणवत्ता एवं परिणाम-आधारित शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है इसलिए उच्च शिक्षा के संस्थान विद्यार्थियों के सफल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा की सार्थकता पर बल दें। कार्यक्रम में डॉ सुमन रानी ने मंच संचालन किया तथा इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. सुनील कुमार ने सभी का धन्यवाद किया।

रचनात्मक प्रतिभा निखार रहा आईएनएसडी: छिल्लर

हिसार। इंटरनेशनल स्कूल ऑफ डिजाइन (आईएनएसडी) धीरे-धीरे हरियाणा में फैशन, इंटीरियर, ग्राफिक और सौंदर्य प्रसाधन के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। यह संस्थान युवाओं को रचनात्मक क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आधुनिक और व्यावहारिक शिक्षा प्रदान कर रहा है। हिसार में मॉडल टाउन में खुला इंटरनेशनल स्कूल ऑफ डिजाइन (आईएनएसडी) रचनात्मक प्रतिभा को निखारने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। आईएनएसडी की डायरेक्टर ऊषा छिल्लर ने बताया कि हिसार केंद्र का उद्देश्य छात्रों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें इंडस्ट्री-रेडी स्किल्स, क्रिएटिव थिंकिंग और प्रोफेशनल ट्रेनिंग देना है। यहां छात्रों को फैशन डिजाइनिंग और इंटीरियर डिजाइनिंग सहित अन्य डिजाइन के क्षेत्रों में प्रैक्टिकल प्रोजेक्ट्स, वर्कशॉप और पोर्टफोलियो डेवलपमेंट के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है। संस्थान का मानना है कि आज के समय में डिजाइन शिक्षा केवल ड्राइंग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें नवाचार, समस्या समाधान और वैश्विक स्तर की समझ आवश्यक है। इसी सोच के साथ छात्रों को आधुनिक तकनीक और इंडस्ट्री के अनुरुप प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आईएनएसडी छात्रों को कैरियर मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सहायता भी प्रदान करता है, जिससे वे फैशन ब्रांड्स, डिजाइन स्टूडियो और क्रिएटिव कंपनियों से जुड़ सकें।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

विकसित भारत 2047 का संकल्प स्थापित करने के लिए गुजवि ने प्रस्तुत किया पांच वर्षीय रोडमैप

- चरणबद्ध तरीके से आरंभ होंगे इंजीनियरिंग, चिकित्सा एवं कौशल आधारित कोर्स

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने 'विकसित भारत @ 2047' के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने की दिशा में आगामी पांच वर्षों का एक व्यापक शैक्षणिक रोडमैप प्रस्तुत किया है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को कौशल-आधारित, उद्योग-संरेखित और भविष्य उन्मुख शिक्षा प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर और सक्षम कार्यबल में परिवर्तित करना है।

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई के अनुसार, विश्व विद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप शिक्षा को पारंपरिक ज्ञान से आगे बढ़ाकर कौशल, नवाचार और उद्योग से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में बीटेक के तहत वीएलएसआई डिजाइन, साइबर सिक्योरिटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, क्लाउड कम्प्यूटिंग, ब्लॉकचेन, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रिन्यूएबल एनर्जी और सेमीकंडक्टर इंजीनियरिंग जैसे आधुनिक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। ये कोर्स देश की डिजिटल और मैन्युफैक्चरिंग जरूरतों को पूरा करने में सहायक होंगे। स

वास्थ्य क्षेत्र में भी एमबीबीएस, बीऐएमएस, नर्सिंग, मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, कार्डियक केयर, डायलिसिस, इमरजेंसी एवं ट्रॉमा केयर, ऑप्टोमेट्री और न्यूट्रिशन जैसे कार्यक्रम चरणबद्ध तरीके से शुरू किए जाएंगे। इसके साथ ही फार्मेसी, बी.वोक और हेल्थ डेटा एनालिटिक्स जैसे सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स युवाओं को रोजगारोन्मुखी बनाएंगे। यह रोडमैप केवल पाठ्यक्रम विस्तार तक सीमित नहीं है, बल्कि एक समग्र शैक्षणिक इकोसिस्टम विकसित करने पर केंद्रित है, जिसमें इंडस्ट्री पार्टनरशिप, इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट, स्टार्टअप इनक्यूबेशन और वैश्विक सहयोग को प्राथमिकता दी जाएगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि यह पहल युवाओं को रोजगार प्राप्त करने के साथ-साथ रोजगार सृजन में भी सक्षम बनाएगी। आने वाले वर्षों में यह विश्वविद्यालय हरियाणा ही नहीं, बल्कि पूरे देश में एक मॉडल स्किल-ओरिएंटेड संस्थान के रूप में उभरेगा और भारत को वैश्विक ज्ञान एवं कौशल महाशक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।